वसुंधरा स्मारिका

2025

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के आशीर्वाद दाता एवं सहयोगी

मार्गदर्शक
मा. इन्द्रेश कुमार जी

संरक्षक
मा. अखिलेश जी राय

संयोजक
मा. मधुर जी विजयवर्गीय

अध्यक्ष
श्री अर्जुन सिंह जी

सलाहकार
डॉ. साधुराम जी शर्मा

सलाहकार
मा. हरिओम शर्मा दाऊ

समन्वयक
श्री ऋषिराज जी शर्मा

समन्वयक
श्री राहुल जी विजयवर्गीय

परामर्शदाता
डॉ. गगन जी नामदेव

परामर्शदाता
डॉ. आशुतोष जी दीक्षित

परामर्शदाता
डॉ. गौरव जी ताम्रकार

सहयोगी
श्री प्रवीण जी तिवारी

सहयोगी
श्री हरिनारायण जी वर्मा

सहयोगी
श्री प्रदीप जी नागिया

सहयोगी
डॉ. कुमार गोविल जी

सहयोगी
श्री शैलेन्द्र जी चंदेल

सहयोगी
श्री अशोक जी सोनी

सहयोगी
श्री राधेश्याम जी मकवाना

सहयोगी
श्री निशांक जी शर्मा

सहयोगी
श्री गीतेश जी राय

सहयोगी
श्री ज्ञान सिंह जी मेवाड़ा

सहयोगी
श्री अतुल जैन जी

सहयोगी
श्री अंकित जी उपाध्याय

सहयोगी
श्री शुभम गुप्ता जी

सहयोगी
श्रीमती सुनीता जी सोनी

सहयोगी
श्रीमती उमा जी चौरसिया

सहयोगी
श्री राजेश जी पाराशर

सहयोगी
श्री गजराज जी मेवाड़ा

सहयोगी
श्री रामेश्वर जी मेवाड़ा

सहयोगी
श्री ब्रजेश जी पाराशर

सहयोगी
श्री दीपक जी विश्वकर्मा

॥श्री गणेशाय नमः॥

वसुंधरा WELFARE FOUNDATION

स्मारिका 2025

मार्गदर्शक
मा. इन्द्रेश कुमार
अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

संरक्षक
मा. अखिलेश राय
समाजसेवी सीहोर, (म.प्र.)

संयोजक
मा. मधुर विजयवर्गीय
समाजसेवी सीहोर, (म.प्र.)

सलाहकार
डॉ. साधुराम शर्मा
मा. हरिओम शर्मा दाऊ

अध्यक्ष
श्री अर्जुन सिंह
वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन

परामर्शदाता
डॉ. गगन नामदेव
डॉ. गौरव ताम्रकार
डॉ. आशुतोष दीक्षित

समन्वयक
श्री ऋषिराज शर्मा
श्री राहुल विजयवर्गीय

सम्पादक
श्री हरी नारायण वर्मा

सम्पादक मंडल
श्री प्रदीप नागिया
श्रीमति सुनीता सोनी

आकल्पन
शिवशंकर यादव (डिज़ाईनर)

मुद्रक
कविता ऑफसेट प्रिंटर्स
भोपाल

अनुक्रमणिका

संदेश	03-13
प्रस्तावना	15
अध्यक्ष की कलम से	17
सम्पादकीय	19
कविता	21
मन की बात	22
दिव्यांग लोगों के लिए दान का महत्व	23
वसुंधरा - समाचार पत्रों में	24-25
दिव्यांगजनों के साथ एक समावेशी एवं समृद्ध राष्ट्र निर्माण	26
नशे की लत के कारण, प्रभाव और उपचार	27
आधी आबादी के लिए प्रतिबद्ध सरकार, महिला सशक्तिकरण से सपने हो रहे साकार	28
वसुंधरा विशेष विद्यालय एक परिचय	29
दिव्यांग बच्चों के प्रति समाज के दायित्व और कर्तव्य	30
मध्य प्रदेश बन सकता है भविष्य का शीर्ष गन्ना उत्पादक राज्य	31
आधुनिक तकनीकें दिव्यांगजनों को बनाएगीं आत्मनिर्भर	32
आदर्श कृषि सूत्र	33
शक्तिड्रोन	34
जब इरादे मजबूत होते है	35
फिजियोथेरैपी जिसे हम भौतिक चिकित्सा भी कहते हैं	36
समाजसेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा वर्ष 2020 से निरंतर सामाजिक कार्यो की झलकियां	39 - 44
वसुंधरा विशेष विद्यालय द्वारा वर्ष 2022 से निरंतर की गई गतिविधियां	44-46

a unique blend of wonder herbs

sanatani™ urjaa

A Herbal Food Supplement Brand

Brand Owned & Marketed By:

MAA KAATYAYANI HERBS

OUR PRODUCTS

- The Muscles Rejuvenator
- The Energy Dynamo
- The Performance Wonder
- The Aprajita

Contact Us: 9522591979

www.maakaatyayaniherbs.com

''जीवन की सबसे बड़ी खुशी है अपने जीवन को सार्थक बनाना।''

श्री विट्ठलेश सेवा समिति

कार्यालय : विट्ठलेश भवन, संजय टॉकीज रोड, सीहोर

दिनांक : 22.11.2024

शुभकामना संदेश

ज्ञानं सर्वेषु गुणेषु प्रधानम्। ज्ञानेन हीनः सर्वे गुणाः निष्फलाः।।
अर्थात
" ज्ञान सभी गुणों में सबसे महत्वपूर्ण है। ज्ञान के बिना सभी गुण निष्फल है।

श्री शिवाय नमस्तुभ्यम्,

प्रसन्नता का विषय है कि हमारे शहर सीहोर की अग्रणी समाजसेवी संस्था वंसुधरा वेलफेयर फाउंडेशन, सीहोर अपना 9वाँ स्थापना दिवस मना रही है।

संस्था विगत वर्षों से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिये निःशुल्क विशेष विद्यालय चला रही है और संस्था द्वारा पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, संस्कृति, किसान कल्याण एवं महिलाओं की आजीविका बढ़ाने हेतु स्व सहायता समूहों को प्रशिक्षण देकर कल्याणकारी कार्यों को गति प्रदान कर रही है, संस्था के इन कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन हो रहा है।

संस्था के कार्यों से प्रेरित होकर सभी वर्ग के लोग भी इस पथ पर चलने के लिये प्रेरित होंगे। वसुंधरा की इस सामाजिक यात्रा में और भी अधिक सफलता व उपलब्धियों की कामना करता हूँ ।

संस्था के सभी कार्यकर्ताओं को साधुवाद और भविष्य के लिये अनन्त शुभकामनाएँ ।

अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक
प. प्रदीप मिश्रा
भागवत भूषण
(सीहोर वाले गुरूजी)

वन्दे ॥ ॐ ॥ मातरम्

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

कार्यालय : केशव कुँज, झंडेवालान, नई दिल्ली

दिनांक : 04.10.2024

इन्द्रेश कुमार
अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

संदेश

मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि समाज सेवी संस्था ''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' सीहोर, मध्यप्रदेश द्वारा अपने स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर वार्षिक पत्रिका (स्मारिका) का प्रकाशन किया जा रहा है। इसमें प्रकाशित सामग्री रूचिकर एवं संवेदनायें जगाने वाली होगी। इसके लिए बहुत बधाईयाँ।

संस्था द्वारा विगत वर्षों से संचालित ''वसुंधरा विशेष विद्यालय'' द्वारा दिव्यांग बच्चो को निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति शिक्षण, किसान कल्याण एवं महिला आत्मनिर्भरता विकसित करने हेतु प्रशिक्षण एवं आजीविका बढ़ाने हेतु स्व सहायता समूहों के प्रशिक्षण जैसे कल्याणकारी कार्य किये जा रहे है। जो कि अनुकरणीय है। यह प्रशिक्षण जीवन में निर्णय लेने में सक्षम एवं स्वावलम्बी बनाते है। देश प्रेम की भावनाएं हिलौरे लेती है। सह संस्कार भविष्य बनाता है।

इन कार्यक्रमों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन में मदद मिलती है। समाज को भी इस पद पर अग्रसर होने की प्रेरणा मिलती है। समाज सेवा की और आकर्षण बढ़ता है। ''वसुन्धरा'' की इस यात्रा में और अधिक सफलता व उपलब्धियों की कामना करता हूँ। संस्था के प्रयासों के लिए धन्यवाद एवं सुन्दर भविष्य के लिए शुभकामनाएँ।

(इन्द्रेश कुमार)

''जहां कोशिशों का जुनून होता है, वहीं सफलता का सूरज निकलता है।''

मंगुभाई पटेल
MANGUBHAI PATEL

सत्यमेव जयते

राज्यपाल, मध्यप्रदेश
GOVERNOR OF MADHYA PRADESH

राज भवन
भोपाल-462052
RAJ BHAVAN
BHOPAL - 462052

क्रमांक 303/ राजभवन/2024
भोपाल, दिनांक 17 सितम्बर 2024

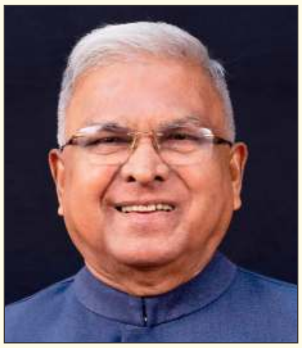

संदेश

हर्ष का विषय है कि वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, सीहोर द्वारा प्रथम वार्षिक पत्रिका वसुंधरा का प्रकाशन किया जा रहा है। संस्था के स्थापना दिवस पर प्रकाशन की पहल सराहनीय है।

समाज, राष्ट्र की मजबूती का आधार होता है। समाज सेवा के कार्यों में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। जरूरी है कि सामाजिक संस्थाएँ समाज में सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य सेवाओं, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में सहभागिता के लिए समाज का नेतृत्व करें। समाज के जरुरतमंद और वंचित वर्गों के जीवन में सुधार के लिए सत्यनिष्ठा के साथ प्रयास करें।

आशा है, वार्षिक पत्रिका सेवा और सशक्तिकरण के सकारात्मक परिणामों और जागरूकता के प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम बनेगी।

शुभकामनाएँ

(मंगुभाई पटेल)

दूरभाषा : 0755-2858828, 2858830, फैक्स : 0755-2858832, ई-मेल : mprajbhavan@mp.gov.in

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
मध्यप्रदेश

दिनांक :- 011-11-2024
पत्र क्रमांक -307/24

संदेश

प्रसन्नता का विषय है कि वसुंधरा वेलफयर फाउंडेशन, सीहोर द्वारा संस्था का 9 वाँ स्थापना दिवस मनाया जा रहा है।

संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति और किसान कल्याण के क्षेत्र में गतिविधियों के संचालन के साथ ही दिव्यांग विद्यार्थियों के विशेष विद्यालयों के संचालन के कार्य भी किए जा रहे हैं। निश्चित ही ये कार्य अनुकरणीय हैं।

मुझे आशा है, प्रथम वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' समाज सेवा विशेष रूप से दिव्यांग कल्याण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में जन जागरूकता बढ़ाने में प्रेरक बनेगी।

हार्दिक शुभकामनाएँ

(डॉ. मोहन यादव)

6, श्यामला हिल्स, भोपाल - 462 002

शिवराज सिंह चौहान
SHIVRAJ SINGH CHOUHAN

कृषि एवं किसान कल्याण और
ग्रामीण विकास मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
Minister of Agriculture & Farmers Welfare
and Rural Development
Government of India
Krishi Bhawan, New Delhi

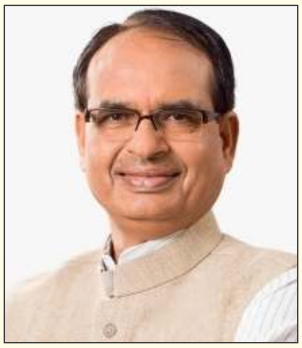

पत्र क्र. 67/2024

संदेश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि, समाजसेवी संस्था ''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' सीहोर द्वारा अपने स्थापना वर्ष पर प्रथम वार्षिक पत्रिका 'वसुंधरा' का प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्र और समाज की सेवा को भारतीय परंपरा में सर्वोपरि माना गया है। अपने देश और समाज को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वसुंधरा संस्था द्वारा सदैव से समाज की सेवा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। संस्था ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, आजीविका मिशन द्वारा स्व सहायता समूहों के गठन, प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, नशा मुक्ति अभियान एवं निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यो का संचालन के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सेवाएं देकर सराहनीय योगदान दिया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वार्षिक पत्रिका 'वसुंधरा' का प्रकाशन लोगों के लिए मार्गदर्शक और भविष्य के लिए मूल्यवान सिद्ध होगा। पत्रिका के प्रकाशन पर अनंत बधाई व शुभकामनाएं।

हार्दिक शुभकामनाएँ

(शिवराज सिंह चौहान)

Delhi Office - Agriculture & Farmers' Welfare Minister's Office: 120, Krishi Bhawan, New Delhi-110001
Tel.: 011-23383370, 23782594, 23073789, 23782691
Rural Development Minister's Office: 'G' Wing, Ground Floor, Krishi Bhawan, New Delhi-110001
Tel.: 011-23383548, 23782373, 23782327, Fax: 011-23070309
Bhopal Office - B-8, 74 Bunglow, Swami Dayanand Nagar, Link Road No. 1, Bhopal-462003
Tel.: 0755-2545678, 2565678, 2991050, 2991339

डॉ. वीरेन्द्र कुमार
DR. VIRENDRA KUMAR
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF
SOCIAL JUSTICE AND EMPOWERMENT
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

कार्यालय : 202, सी विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली—110115
Office : 202, 'C' Wing, Shastri Bhawan,
New Delhi-110115
Tel. : 011-23381001, 23381390, Fax : 011-23381902
E-mail : min-sje@nic.in
दूरभाषः 011-23381001, 23381390, फैक्सः 011-23381902
ई-मेलः min-sje@nic.in

Dy. No 188/VIP/M(SJ&E)
Dated : 17.09.2024

संदेश

यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि समाजसेवी संस्था वसुंधरा फाउंडेशन सीहोर मध्य प्रदेश अपनी वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' का प्रकाशन करने जा रही है।

अमृतकाल में हम एक भव्य व विकसित भारत के निर्माण की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। मुझे खुशी है कि इसी क्रम में समाजसेवी संस्था वसुंधरा फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, नशामुक्ति अभियान तथा दिव्यांगजन हेतु निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण कार्य का संचालन कर रही है।

मैं संस्था की ओर से प्रकाशित होने वाली वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' के सफल प्रकाशन की कामना करते हुए हार्दिक बधाई प्रेषित करता हूँ।

शुभकामनाएँ

(डॉ. वीरेन्द्र कुमार)

करण सिंह वर्मा
मंत्री
राजस्व विभाग
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय : बी–5, चार इमली, भोपाल
मंत्रालय कक्ष : बी–116, VB –2, वल्लभ भवन, भोपाल
विधान सभा कक्ष क्र.143 भूतल
दूरभाष निवास : 0755–2430011, 2441674
मंत्रालय : 0755–2708391
विधान सभा : 0755–2523180
ई–मेल : karansinghverma387@gmail.com

पत्र क्रमांक : 1906 भोपाल, दिनांक : 09.09.2024

संदेश

यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' के 09 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विशेषांक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह बड़े हर्ष की बात है।

''वसुंधरा'' वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन से संस्था द्वारा किये जा रहे कार्य जैसेः– शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण आदि सामाजिक कार्यों से समाज के सभी वर्गो को लाभ प्राप्त होगा।

समाज सेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा प्रकाशित वार्षिक पत्रिका 'वसुंधरा' के विशेषांक के प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(करण सिंह वर्मा)

नारायन सिंह कुशवाह
मंत्री
सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण
उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय : कक्ष क्रं. बी–427, चतुर्थ तल, वल्लभ भवन बी–2, मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष : 0755–22708157
ई–मेल : bjpnerayansinghkushwaha@gmail.com
निवासकार्या : बी–11, चार इमली, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष कार्या. : 0755–2429698, 2429863
ग्वालि. कार्या. : शिव प्लाजा, समाधिया कॉलोनी, तारागंज लश्कर, ग्वालियर (म.प्र.)
दूरभाष : 0751–2358200

क्रमांक : 876/मंत्री/2024
भोपाल, दिनांक 04.10.2024

संदेश

बड़े हर्ष का विषय है समाजसेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा अपने स्थापना वर्ष के अवसर पर ''वसुंधरा'' पत्रिका का प्रकाशन करने जा रही है।

पत्रिका के माध्यम से संस्था द्वारा दिव्यांगों के उत्थान हेतु किये जा रहे सराहनीय कार्यों के साथ भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार इन्हें लाभांवित करने के साथ जो ड्रग्स, शराब, तम्बाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों की निर्भरता से नशामुक्ति करने में सहायक सिद्ध होगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिये मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(नारायन सिंह कुशवाह)

कृष्णा गौर
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण,
विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग,
मध्यप्रदेश शासन

निवास : बी–6, स्वामी दयानन्द नगर,
74 बंगला, भोपाल (म.प्र.) 462003
मंत्रालय : ई–106, वीबी–3, प्रथम तल,
मंत्रालय, भोपाल
दूरभाष : 0755–2708580 (मंत्रालय)
(नि.) 0755–2441578
मोबाईल : 9893121578, 8959999338
ई–मेल : krishnagaur2015@gmail.com

पत्र क्रमांक : 1324

दिनांक : 07.09.2024

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि ''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' द्वारा प्रथम वार्षिक पत्रिका 'वसुंधरा स्मारिका' का प्रकाशन किया जा रहा है।

संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, आजीविका मिशन, स्व सहायता समूहों के गठन प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, नशा मुक्ति अभियान, व श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित, बौद्धिक दिव्यांग एवं बहु दिव्यांगजनों हेतु निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यो का संचालन किया जा रहा है। इस स्मारिका मे दिव्यांगजनों हेतु उनके भविष्य के निर्माण व शासन द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी का समावेश होगा।

''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' के सदस्यो को वार्षिक स्मारिका के प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(कृष्णा गौर)

गौतम टेटवाल
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
मध्यप्रदेश शासन
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार
(केवल कौशल विकास एवं रोजगार)

दूरभाष : 0755-2708769
कार्यालय : VB-III/318-E
वल्लभ भवन मंत्रालय, भोपाल (म.प्र.)

पत्र क्रमांक : 614 / 24

दिनांक : 14.10.2024

संदेश

प्रिय अर्जुन सिंह जी,

यह जानकार मन बड़ा प्रसन्न है कि समाजसेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, आजीविका मिशन के क्षेत्र में कार्य कर रही है और स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण तथा नशा मुक्ति जैसे अभियान चला रही है साथ ही श्रवण बाधित, दृष्टि बाधित, बौद्धिक दिव्यांग एवं बहु दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन भी कर रही है। वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' के प्रथम प्रकाशन पर आपको बहुत–बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएँ।

(गौतम टेटवाल)

डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी
(सांसद, राज्यसभा)
Dr. Sumer Singh Solanki (M.A. Ph.D)
Member of Parliament
(Rajya Sabha)

सत्यमेव जयते

C-2, न्यू ऑफिसर कॉलोनी
माँ वैष्णोदेवी मंदिर के पास, बड़वानी (म.प्र.) 451552
फोन : 07290-222233, मोबाईल - 9424056933
C-2, New Officer Colony,
Near Maa Vaishnodevi Temple,
Barwani (M.P. 451552)

क्रमांक/ C-824 **दिनांक : 18.12.2024**

संदेश

मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि, समाजसेवी संस्था ''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' सीहोर, मध्य प्रदेश द्वारा अपने स्थापना वर्ष पर प्रथम वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

राष्ट्र और समाज की सेवा को भारतीय परम्परा में सर्वोपरी माना जाता है। अपने देश और समाज को सशक्त बनाने के उद्देश्य से वसुंधरा संस्था द्वारा सदैव से समाज की सेवा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है। संस्था ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, आजीविका मिशन द्वारा स्व सहायता समूहों के गठन, प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, नशा मुक्ति अभियान एवं निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यों का संचालन के साथ ही अन्य क्षेत्रों में सेवाएँ देकर सराहनीय योगदान दिया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि वार्षिक पत्रिका "वसुंधरा" का प्रकाशन लोगों के मार्गदर्शक और भविष्य के लिए मूल्यवान सिद्ध होगा।

पत्रिका के प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें।

(डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी)
सांसद, राज्यसभा

Flat No. C-603, Swarn Jayanti Sadan, B.D. Marg, New Delhi-110001
Tel.(Office) +91 1123311465, Mob.: +91 9013181933, Email : sumersingh_solanki@rediffmail.com

आलोक शर्मा
संसद सदस्य (लोक सभा)
भोपाल (मध्य प्रदेश)

सत्यमेव जयते

ALOK SHARMA
Member of Parliament
(Lok Sabha)
Bhopal (Madhya Pradesh)

संदेश

दिनांक : 15.09.2024

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, भोपाल द्वारा जनमानस के लिये स्वास्थ्य क्षेत्र एवं महिला सशक्तिकरण एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य कर रही है, संस्था द्वारा स्मारिका ''वसुंधरा'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

स्मारिका के माध्यम से संगठन की गतिविधियों, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य क्षेत्र, आयुष विभाग, गौ रक्षा एवं नशामुक्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध कराने में यह स्मारिका अत्यंत ही उपयोगी एवं लाभदायक सिद्ध होगी ऐसा मुझे विश्वास है।

स्मारिका के प्रकाशन के लिए संस्था के सभी सदस्यों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

(आलोक शर्मा)

38 काजीपूरा, दयानंद चौक, जुमेरती गेट, भोपाल, मध्य प्रदेश पिन-462001 मो. 9425020518, 7049969588
38, Kajipura Dayanand Chouk, Jumerati Gate, Bhopal, Madhya Pradesh Pin-462001 Mob.: 9425020518, 7049969588

सुदेश राय
विधायक
विधानसभा क्षेत्र-सीहोर

कार्यालय : लीसा टॉकीज केम्पस,
सीहोर (म.प्र) 466001
दूरभाष : 07562-471616
ई-मेल : vidhayaksehore601@gmail.com

क्रमांक / 1653 एम.एल.ए. सीहोर / 2024

दिनांक : 10.09.2024

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है कि समाज सेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा संस्था के स्थापना वर्ष के शुभ-अवसर पर वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

संस्था द्वारा पूर्व से ही आम जनमानस के हित में शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, आजीविका मिशन द्वारा स्व सहायता समूहों के गठन प्रशिक्षण महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, नशा मुक्ति अभियान, निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय जैसे महत्वपूर्ण कार्यो का सफलतापूर्वक संचालन किया जा रहा है। इस हेतु वसुंधरा परिवार के सभी सदस्यो को कोटि कोटि साधूवाद ।

आशा करता हूँ कि संस्था द्वारा अनवरत रूप से भविष्य में आम जनमानस के हित में सदैव ही निरन्तर अपनी मेहनत से उच्च स्तर पर कार्य संपादित करते हुऐ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्तियों को शासन की हितग्राही मूलक योजना का यथासंभव लाभ मिले इसी आशा और विश्वास के साथ पुनः स्थापना दिवस के अवसर पर प्रकाशित पत्रिका हेतु मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें स्वीकारें ।

(सुदेश राय)

नगर पालिका परिषद सीहोर

जिला सीहोर (म.प्र.) 466001

प्रिंस विकास राठौर
अध्यक्ष
निवास - सैकड़ाखेड़ी रोड,
न्यू बस स्टेण्ड, सीहोर (म.प्र.)
मो.: 9977027017

क्रमांक : PMC/456/2024
दिनांक : 01.10.2024

संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि ''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' द्वारा प्रथम वार्षिक पत्रिका वसुंधरा स्मारिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति सहित महिला सशक्तिकरण, दिव्यांगजन विशेष विद्यालय, नशामुक्ति अभियान जैसे सामाजिक क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर जन-जागरण किया जा रहा है।

मेरी ओर से संस्था के स्थापना वर्ष पर प्रथम वार्षिक पत्रिका के प्रकाशन पर संस्था अध्यक्ष श्री अर्जुन सिंह जी को एवं उनकी टीम को हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित है।

आशा है, वार्षिक पत्रिका सेवा और सशक्तिकरण के सकारात्मक परिणामों और जागरूकता के प्रचार-प्रसार का सशक्त माध्यम बनेगी।

शुभकामनाएँ

प्रिंस विकास राठौर
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद् सीहोर

दूरभाष : 07562-227766 (O)
07562-226811 (R)
07562-226855 (F)
E-mail : dmsehore@nic.in
mpseh@nic.in

सत्यमेव जयते

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी
जिला सीहोर (म.प्र.)

Date : 11.09.2024

संदेश

मुझे यह जानकर बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि समाजसेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा अपने स्थापना दिवस के अवसर पर वार्षिक पत्रिका ''वसुंधरा'' का प्रकाशन किया जा रहा है।

संस्था द्वारा विगत वर्षों से संचालित वसुंधरा विशेष विद्यालय द्वारा दिव्यांग बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति, किसान कल्याण एवं महिलाओं की आजीविका बढ़ाने हेतु स्व सहायता समूहों के प्रशिक्षण जैसे कल्याणकारी कार्य किये जा रहे है, जो निश्चित ही अनुकरणीय है। इन कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद मिल रही है। आपके कार्यों से प्रेरित होकर, समाज के लोग भी इस पथ पर चलने के लिए प्रेरित होंगे और समाज सेवा की ओर आकर्षित होंगे। संस्था की सेवा और समर्पण से समाज में एक सकारात्मक बदलाव आया है।

संस्था के सभी प्रयासों के लिए एवं संस्था द्वारा प्रकाशित हो रही पत्रिका ''वसुंधरा'' के सफल प्रकाशन के लिए मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

(प्रवीण सिंह अढायच)
कलेक्टर
जिला सीहोर

तन्मय वर्मा
एस.डी.ओ./एस.डी.एम
सीहोर

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी एवं
दण्डाधिकारी सीहोर, जिला सीहोर (म.प्र.)
मोबाईल नं. 7587977124
Email - sdmofficesehore@gmail.com
Do letter no.: 27/Steno/2024
Date : 21.10.2024

संदेश

मुझे यह जानकर हर्ष है कि वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर अपने स्थापना दिवस पर एक स्मारिका का प्रकाशन कर रही है।

मानव जीवन ईश्वर का उपहार है, संस्था द्वारा विशेष रूप से दिव्यांगों के लिए विशेष विद्यालय चलाने का कार्य अत्यंत ही सराहनीय है।

संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण व महिला सशक्तिकरण आदि के क्षेत्रों में भी अच्छा काम कर रही है।

मुझे पूरा विश्वास है कि निरंतर नवऊर्जा के साथ आपकी संस्था समाज के बेहतर निर्माण के मिशन में जुटी रहेगी व नित नई ऊंचाईयां प्राप्त करेगी।

स्मारिका के प्रकाशन हेतु कोटिशः शुभकामनाएँ।

(तन्मय वर्मा)

AERO CAPITA

कृषि ड्रोन पर 75% तक सब्सिडी

किसान एवं किसान उत्पादक संगठन (FPO) के लिए

व्यक्तिगत श्रेणी - A
लघु सीमांत, महिला, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग

यंत्र की कीमत का **50%**

सरकार द्वारा सब्सिडी राशि की छूट

व्यक्तिगत श्रेणी - B
सामान्य वर्ग के कृषक

यंत्र की कीमत का **40%**

सरकार द्वारा सब्सिडी राशि की छूट

कृषक उत्पादक संगठन
एफपीओ

यंत्र की कीमत का **75%**

सरकार द्वारा सब्सिडी राशि की छूट

- एक बार चार्ज करने पर 3 एकड़ स्प्रे।
- अपनी फ़सल की उपज बढ़ाएँ और कीटनाशक की लागत कम करें शक्ति ड्रोन के साथ और अधिक मुनाफा पायें।
- **ड्रोन संचालन की जानकारी** प्रशिक्षण के दौरान ग्राहकों को ड्रोन संचालन और संबंधित नियमों की जानकारी दी जाएगी।
- **किसानों के लिए विशेष लाभ** 25% की राशि से बुकिंग करने पर किसानों को निशुल्क पायलट ट्रैनिंग, बीमा, और साथ में एक्स्ट्रा बैटरी भी दिए जाएंगे।

7880108005
7880108006

info@aero-capita.com

aero-capita.com

ऐरोकैपिटा डाइनैमिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 1ST फ्लोर, अल्टीमैट प्लाज़ा - II, 24, कोलार रोड, मैन रोड, कोलार, भोपाल , म.प्र. (462042)

प्रस्तावना

समाजसेवी अखिलेश राय
संरक्षक
वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन

समाजसेवी मधुर विजयवर्गीय
संयोजक
वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन

"वसुंधरा" पत्रिका का यह प्रथम संस्करण हमारे समाज की वर्तमान स्थिति और चुनौतियों पर केंद्रित है। इस संस्करण में हमने वर्तमान के महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित किया है। दिव्यांगों के अधिकार, महिला साक्षरता, और कृषि की चुनौतियाँ, और पर्यावरण। हमारा समाज आज भी कई चुनौतियों का सामना कर रहा है, जिनमें से एक दिव्यांगों के अधिकारों की रक्षा करना है। दिव्यांग व्यक्तियों को अक्सर समाज में भेदभाव और असमानता का सामना करना पड़ता है। हमारा उद्देश्य इस पत्रिका के माध्यम से दिव्यांगों के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समाज में समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। महिला साक्षरता एक अन्य महत्वपूर्ण विषय है जिस पर हमने ध्यान केंद्रित किया है। महिला साक्षरता हमारे समाज के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कारक है। महिलाओं की साक्षरता दर में सुधार करने से न केवल महिलाओं के जीवन में सुधार होगा, बल्कि यह हमारे समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, लेकिन यह कई चुनौतियों का सामना कर रही है। हमारा उद्देश्य इस पत्रिका के माध्यम से कृषि की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करना और किसानों को उनके अधिकारों और सुविधाओं के बारे में जागरूक करना है।

संस्था अपने स्थापना वर्ष से लगातार विभिन्न सेवा कार्यों का संचालन कर अपने विजन एवं मिशन के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। पत्रिका प्रकृति और मानवता के बीच के संबंधो को समझने और संरक्षित करने के लिए समर्पित है। हम पृथ्वी और उसके संसाधनों के साथ साथ पर्यावरण के बारे में भी जन जागरण के संकल्प की पूर्ति कर रहे है ।

हमें उम्मीद है कि "वसुंधरा" पत्रिका का यह प्रथम संस्करण समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों के लिए उपयोगी और प्रेरक सिद्ध होगी। हम इस पत्रिका के प्रकाशन के लिए अपने सभी सहयोगियों और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हैं।

इस पत्रिका में, हमने दिव्यांगों के अधिकारों, महिला साक्षरता, और कृषि की चुनौतियों पर विभिन्न लेख और आलेख शामिल किए हैं। हमें उम्मीद है कि यह पत्रिका आपको इन विषयों पर अधिक जानकारी प्रदान करेगी और आपको इन मुद्दों पर विचार करने के लिए प्रेरित करेगी।

धन्यवाद !

अतः यथा शक्ति सहयोग कर समाज निर्माण के पुनीत कार्यों में योगदान देवें।

"विफलता केवल एक और मौका है फिर से बेहतर शुरुआत करने का।"

अध्यक्ष की कलम से...

उठो जवान देश की वसुंधरा पुकारती।
ये देश है पुकारता, पुकारती माँ भारती।।

ईश्वरीय शक्तियों से संचालित "वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन" एक गैर–लाभकारी संगठन है। जिसको स्वर्गीय श्री अनिल माधव दवे जी (पूर्व केंद्रीय पर्यावरण मंत्री) की प्रेरणा से दिनांक 04 नवंबर 2015 को पंजीकृत किया गया है। वसुंधरा द्वारा सभी दिव्य कार्यों को संचालित किये जाने हेतु मुझे माध्यम बनाएँ जाना मुझे अति सौभाग्यशाली बनाता है किसी भी महान कार्य के लिए कई हाथों का होना आवश्यक होता है उसमें मेरे हाथों का होना आपके सहयोग आशीर्वाद और प्रभु की कृपा की मौजूदगी को दर्शाता है।

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन की स्थापना को 9 वर्ष पूरे हो चुके है । वसुंधरा शुरु से ही सेवाकार्यों के लिये आत्म निर्भर रही है। तब से अब तक वसुंधरा ने मध्य प्रदेश के सीहोर, शाजापुर, सागर,नर्मदापुरम व अन्य जिलो में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन,पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण, स्वच्छ भारत मिशन, आजीविका मिशन द्वारा स्व सहायता समूहों के गठन व प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण, व्योमी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा किसान कल्याण, नशा मुक्ति अभियान, दिव्यांगजनों के लिए निःशुल्क फिजियो थैरेपी सेंटर, निःशुल्क दिव्यांग विशेष विद्यालय के माध्यम से श्रवन बाधित, दृष्टि बाधित, बौद्धिक दिव्यांग एवं बहु दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु महत्वपूर्ण कार्यों को संकल्पित होकर अपने निर्धारित लक्ष्यों की और अग्रसर है। इसके लिये संस्था को नेतृत्व करने वाले सहयोगी एवं कार्यकर्त्ता बधाई के पात्र है।

समाज के सहयोग व मार्गदर्शन से इन उपेक्षित किन्तु योग्यतावान वर्ग की सेवा – साधना का उपयोग राष्ट्र सेवा में लेकर समरसता पूर्ण समाज की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता हैं। इनकी सेवा नारायण सेवा समझकर हम अपना परलोक सुधार सकते है।

मैं "वसुंधरा" सहित सभी शुभकामना संदेश देने वाले आशीर्वादाताओं, लेखकों, सम्माननीय सदस्यों, सेवादारों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व विज्ञापनदाताओं का अत्यंत आभारी हूँ। भविष्य में भी हमें आपका सक्रिय सहयोग मिलता रहेगा। ऐसी मंगलकामनाओं सहित।

कोई चलता पद चिन्हों पर, कोई पद चिन्ह बनाता है।
है वही सूरमा इस जग में, जो अपनी राह बनाता है।।

वंदे भारत मातरम् ....

अर्जुन सिंह
अध्यक्ष
वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन

Apollo Surgicals

An Exclusive Showroom

- Surgical products and Equipments
- Physiotherapy Equipment & Exercise unit
- Rehabilitation aids
- Gym & fitness products
- Full range of Hospital furniture & Hospital Requirements
- O.T Equipments
- Hearing Aids
- Wheelchair, Glucometer, Draper, Weight machine, Heating belt, B.P Monitor & Extra home care products

HOME DELIVERY AVAILABLE

HEAD OFFICE : SHOP NO. 7, NEAR HAMIDIA HOSPITAL, BHOPAL

M.: 9329450660, 9893368690 | Ph.: 0755-4201721

माँ नर्मदा हॉस्पिटल

MAA NARMADA MULTI SPECIALITY HOSPITAL

सेवा ही संकल्प हमारा

उपलब्ध सुविधाऐं

- ऑपरेशन थियेटर (सभी प्रकार के ऑपरेशन आधुनिक मशीनरी द्वारा)
- आई.सी.यू. (मॉनीटर, वेंटीलेटर व आधुनिक मशीनरी)
- मेडिकल स्टोर
- पैथालॉजी लेब
- ओपीडी (प्रतिदिन)
- एम्बुलेंस सुविधा
- प्रायवेट रूम
- डीलक्स रूम
- इमरजेन्सी वार्ड
- स्त्री रोग के लिए प्रतिदिन ओपीडी

हृदय संबंधित रोग, थायराईड, शुगर रोग, ब्लड प्रेसर श्वास संबंधित रोग, किडनी संबंधित रोग, पाचन संबंधित रोग मलेरिया, डेंगू, चिकिनगुनिया, टायफाइड, सर्दी, खांसी, निमोनिया बुखार, पुराने से पुराना सरदर्द, पुराने से पुराना गठिया रोग पेशाब में जलन, पेशाब कम आना, एलर्जी एवं खुजली कमजोरी, चक्कर आना, बेचेनी, घबराहट, मिर्गी आना पाईल्स से संबंधित, दमा (अस्थमा), पीलिया, लकवा, माईग्रेन खून की कमी आदि बीमारियों का इलाज किया जाता है

हॉस्पिटल द्वारा अधिकतर **नार्मल डिलेवरी** की जाती है।

मुख्यमंत्री स्वेच्छा अनुदान राशि द्वारा इलाज सुविधा

हेल्थ इंश्योरेंस कम्पनियों द्वारा **केशलेश इलाज** की सुविधा

24 घण्टे इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध

स्त्री रोग संबंधित सभी समस्याओं का इलाज

गर्भावस्था सलाह एवं देखभाल

पता : पटेल प्रेट्रोल पम्प के सामने, न्यू बस स्टेण्ड, सीहोर (म.प्र.)

Ph. 7803042639, 9926294883

हर मुश्किल में छिपा होता है एक नया मौका, बस उसे पहचानने की जरूरत है।

सम्पादकीय...

''वसुंधरा'' की यात्रा अपने उद्गम से निरंतर जारी हैं। इसी यात्रा में आप ''वसुंधरा'' के साथ है। मेहनत और समर्पण के दिव्य मंत्र को अपनाते हुए हम निरंतर सेवा कार्य में संलग्न है। भविष्य की योजनाओं और उपलब्धियों के लिए हम सतत् सक्रिय हैं।

''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' की पत्रिका नई किरण के रूप में आपके समक्ष हैं। साहित्यिक यात्रा का उसका यह पहला कदम है। नये आयाम लेखन की ताकत, और सृजन की भावना उसके नए सफर में एक मील का पत्थर बने, ऐसी अपेक्षा है मेहनत, प्रशिक्षण, शिक्षा और सहयोग से दिव्यांग बच्चों के सपनों को साकार करने की दिशा में हमारा संकल्प निश्चित ही दिव्यांगजनों को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ेगा और समरसता के भाव को मजबूत करेगा। हम उनके लिए एक आशा की किरण बनकर उभरे और उन्हें ऊंचाईयों तक पहुंचने की कामना करते हैं। समाज व राष्ट्र में दिव्यांगजनों को सदैव नजर अंदाज किया जाता रहा है। ''वसुंधरा'' का प्रयास रहेगा की व्यक्ति को समाज में समान अवसर और अधिकार प्राप्त हो। सरकार और समाज द्वारा किए जा रहे अनेक प्रयासों के बाबजूद इनको अनेकानेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं है। समाज में जागरूकता व सहयोग की कमी है। जिसके कारण इस वर्ग को अकसर भेदभाव और अपमान का सामना करना पड़ता है। हमारा प्रयास है कि सरकार और समाज दोनों को मिलकर राष्ट्र में बेहतर वातावरण के साथ बेहतर सुविधाये और अवसर इन्हें प्रदान किए जाये ताकि यह भी राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे सके। इनके अधिकारो की रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास किए जाने चाहिए। ''वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन'' इनको एक मंच प्रदान करता है जहां विचारो, अनुभवो, प्रयासों, योजनाओं और उपलब्धियों को साझा किया जा सके। यह स्मारिका सभी को अपने लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी। उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए कार्य करती रहेगी ।

अतः स्वाभिमानेन साहसेन त्वम, जगति विजयी भवः – आप अपने स्वाभिमान और साहस से विश्व में विजय बने। आपका संघर्ष आपको मजबूत व स्वावलम्बी बनाये। हम ''वसुंधरा'' अर्थात पृथ्वी जो हमें आश्रय प्रदान करती है उसकी रक्षा व संरक्षण करना हमारी जिम्मेदारी है। अतः इसकी रक्षा के लिए ऊर्जा की बचत, जल संचयन, वृक्षारोपण, प्रदूषण कम करना आदि कार्य व प्रयासों से पृथ्वी की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास करते रहे ताकि मानव का भविष्य सुरक्षित रह सके।

यही हो आस, यही हो प्रयास, यही हो संकल्प, हो यही विकल्प।

श्री हरीनारायण वर्मा
सेवा–निवृत वरिष्ठ व्याख्याता
शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्या. क्र 1, सीहोर

76वां समस्त नगरवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं...
हर घर तिरंगा
पार्षद वार्ड क्र. 01
पार्षद वार्ड क्र. 02
पार्षद वार्ड क्र. 03
पार्षद वार्ड क्र. 04
पार्षद वार्ड क्र. 05
पार्षद वार्ड क्र. 06
पार्षद वार्ड क्र. 07
पार्षद वार्ड क्र. 08
पार्षद वार्ड क्र. 09
पार्षद वार्ड क्र. 10
पार्षद वार्ड क्र. 11
पार्षद वार्ड क्र. 12
पार्षद वार्ड क्र. 13
पार्षद वार्ड क्र. 14
पार्षद वार्ड क्र. 16
पार्षद वार्ड क्र. 17
पार्षद वार्ड क्र. 18
पार्षद वार्ड क्र. 19
पार्षद वार्ड क्र. 20
पार्षद वार्ड क्र. 21
पार्षद वार्ड क्र. 22
पार्षद वार्ड क्र. 23
पार्षद वार्ड क्र. 24
पार्षद वार्ड क्र. 25
पार्षद वार्ड क्र. 26
पार्षद वार्ड क्र. 27
पार्षद वार्ड क्र. 28
पार्षद वार्ड क्र. 29
पार्षद वार्ड क्र. 30
पार्षद वार्ड क्र. 31
पार्षद वार्ड क्र. 32
पार्षद वार्ड क्र. 33
पार्षद वार्ड क्र. 34
पार्षद वार्ड क्र. 35
01 नगर को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करें।
02 पेयजल का दुरूपयोग नहीं करें एवं नलो में टोंटी लगाऐं। पानी के अपव्यय को रोकने में सहयोग प्रदान करें।
03 नदियों, जलाशयों एवं जल स्त्रोतों को स्वच्छ रखें, कूड़ा-कचरा गन्दगी न फेंके।
04 अपने भवन की छतों का पानी (रूफ रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) प्रणाली द्वारा भूमि के अन्दर उतारें।
05 निकाय द्वारा संचालित कचरा संग्रहण व्यवस्था में घरों का कचरा कचरा वाहनों में ही डाले एवं नगर को स्वच्छ बनाये जाने में अपना सहयोग प्रदान करें।
06 नगर को प्रदूषण रहित बनाने हेतु वृक्षारोपण करें।
सौ.से- नगर पालिका परिषद सीहोर
विकास राठौर (प्रिंस)
नगर पालिका अध्यक्ष सीहोर

Smile.med
Your Medicine Partner
24 HOURS
स्माइल मेड ऐप – आपकी दवाएं, आपकी मुस्कान!
MEDICINE & LAB CARE
SERVICE
अब दवाओं के लिए बाहर जाने की जरूरत नहीं। SmileMed ऐप से घर बैठे अपनी ज़रूरी दवाएं मंगवाएं, वो भी तेज़ी से और भरोसे के साथ।
क्यों चुनें Smile.Med?
तेज़ डिलीवरी
विशेष ऑफ़र
सुरक्षित और आसान
घर तक पहुँच सेवा
ब्लड टेस्ट और कलेक्शन
उत्तम गुणवत्ता
प्रिस्क्रिप्शन अपलोड
आसान पेमेंट विकल्प
DOWNLOAD APP NOW
GET IT ON Google Play
+91 7400748002
WWW.SMILEMED.IN
SAVE UP TO 20% OFF

दिव्यांग की परिभाषा को हम फिर से नया लिखेंगे

रचनाकार
हरिओम शर्मा दाऊ

दिव्यांग की परिभाषा को हम फिर से नया लिखेंगे,
स्वाभिमान लिए हम खुद अपना इतिहास रचेंगे।
हम भी किसी से कम नहीं दुनिया को दिखलाना है,
आत्मनिर्भरता के संदेश को घर–घर तक पहुंचना है।।
ईश्वर का वरदान समझ कर जीवन नया जिएंगे,
हम भी किसी से कम नहीं है हम नया इतिहास रचेंगे।।
दिव्यांगता कमजोरी नहीं, यह हमारी ताकत है,
इसी को मंत्र मानकर हम आगे की ओर बढ़ेंगे।
सहानुभूति दया के पात्र नहीं हम, हमें अवसर चाहिए,
बस हम सब से यही कहेंगे।
हम भी किसी से कम नहीं, दुनिया को दिखलाना है,
आत्मनिर्भरता के संदेश को घर–घर तक पहुंचना है।।
दिव्यांग की परिभाषा को हम फिर से नया लिखेंगे,
स्वाभिमान लिए हम खुद अपना इतिहास रचेंगे।

वसुंधरा किन के लिए

वसुंधरा प्रयास है उन बच्चों को स्वयं के पैरों पर खड़े करने का जिनमें ईश्वर ने शारीरिक कमी तो दी किन्तु उनमें अनेक ऐसी खूबियों का समावेश किया जो हम सबमें नही है।

वसुंधरा प्रयास है उन बच्चों की छुपी हुई प्रतिभा को निखारकर समाज के सामने लाने का।
वसुंधरा प्रयास है उन बच्चों के माता–पिता में आत्मविश्वास पैदा करने का।
वसुंधरा प्रयास है उन बच्चों के प्रति समाज की भावना बदलने का।
वसुंधरा प्रयास है उन बच्चों को दया का पात्र बनने से बचाने का।
वसुंधरा प्रयास है उन बच्चों के जीवन में रंग भरने का जो पृथ्वी पर ईश्वर का अमूल्य उपहार है।

आईये, हम सब मिलकर इन बच्चों को स्वावलम्बी बनाएं, इनमें इतना आत्मविश्वास पैदा करें कि ये समाज के सामने एक उदाहरण हो और इनके जीवन में खुशियों के अपार रंग भर जाएं।

वसुंधरा हम सबका सामुहिक प्रयास है,
ईश्वर द्वारा प्रदत्त विशेष बच्चों के
जीवन को संवारने का। आईये,
हम सब मिलकर इस पुनीत कार्य में सहभागी बनें।

श्रीमति अलका सोलंकी
स्पेशल एजुकेटर
वसुंधरा विशेष विद्यालय, सीहोर

आया समय उठो तुम नारी

आया समय उठो तुम नारी, युग निर्माण तुम्हें करना है।
आजादी की खुदी नींव में, तुम्हें प्रगति पत्थर भरना है।।
आया समय उठो . . .

अपने को कमजोर न समझो, जननी हो सम्पूर्ण जगत की।
गौरव हो अपनी संस्कृति की, आहट हो स्वर्णिम आगत की।
तुम्हे नया इतिहास देश का, अपने कर्मो से रचना है।।
आया समय उठो . . .

दुर्गा हो तुम, लक्ष्मी हो तुम, सरस्वती हो, सीता हो तुम।
सत्य मार्ग दिखलाने वाली, रामायण हो, गीता हो तुम।
रूढ़ि, विवशताओं के बन्धन, तोड़ तुम्हें आगे बढ़ना है।।
आया समय उठो . . .

साहस, त्याग, दया, ममता की, तुम प्रतीक हो अवतारी हो।
वक्त पड़े तो लक्ष्मीबाई, वक्त पड़े तो झलकारी हो।
आँधी हो तूफान घिरा हो, पथ पर कभी नहीं रूकना है।।
आया समय उठो . . .

शिक्षा हो या, अर्थ जगत हो, या सेवाये हो सरकारी।
पुरूषों के समान तुम भी हो, हर पद की सच्ची अधिकारी।
तुम्हें नये प्रतिमान सृजन के, अपने हाथों से गढ़ना है।।
आया समय उठो . . .

आया समय उठो तुम नारी, युग निर्माण तुम्हें करना है।
आजादी की खुदी नींव में, तुम्हें प्रगति पत्थर भरना है।।

श्रीमति सरिता ठाकुर
शिक्षक
शा. मा. शाला, महुआखेड़ी
सीहोर (म.प्र.)

।। मन की बात ।।

डॉ. राघवेंद्र शर्मा प्रदेश कार्यालय मंत्री भाजपा म.प्र., पूर्व अध्यक्ष बाल अधिकार संरक्षण आयोग म.प्र. शासन.

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को प्रस्तुत किया जाने वाला कार्यक्रम "मन की बात" स्वतंत्र भारत में सबसे अधिक समय तक, सर्वाधिक सफलता के साथ प्रचलन में बने रहने वाला एक अनूठा कार्यक्रम बन गया है। विगत 3 अक्टूबर 2014 को विजयदशमी के दिन प्रारंभ हुए इस बेहद लोकप्रिय कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी के 500 से ज़्यादा केंद्रों द्वारा निरंतर किया जा रहा है। चूंकि इस बेहद महत्वपूर्ण कार्यक्रम में आम आदमी के मन की बात की जाती है। इसलिए इसे एक समय में 23 करोड लोगों द्वारा सुने एवं देखे जाने का आंकड़ा भी उल्लेखनीय बना हुआ है। सर्वेक्षण तो यह भी बताते हैं कि राह चलते अथवा अचानक रूबरू हो जाने के चलते इस कार्यक्रम को सुनने वाले लोगों की संख्या 100 करोड़ से भी ज्यादा है। इस दृष्टि से देखा जाए तो देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के "मन की बात" को सर्वाधिक लोकप्रिय कार्यक्रम कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। क्योंकि आजादी के पहले और आजादी के बाद तक ऐसा कोई कार्यक्रम किसी भी भारतीय प्रारूप में दर्ज हुआ ही नहीं, जो लगातार 11 सालों तक पूर्ण सफलता के साथ चलता रहा हो और आगे भी इसके प्रसारण की सुनिश्चितता बनी हुई है। तो फिर सवाल यह उठता है की इस कार्यक्रम के सफलता की मूल वजह क्या है तो हम पाएंगे कि इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है। यानि देश के विभिन्न प्रांतो और भाषा के हिसाब से विभिन्नता लिए हुए प्रत्येक भारतीय नागरिक के मन की बात को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने गरिमामय उद्बोधन में बेहद आत्मीयता के साथ शामिल किया जाता रहा है। यही वजह है कि हर व्यक्ति को मन की बात सुनते समय यह एहसास होता है कि श्री मोदी द्वारा अपने श्री मुख से उसके अर्थात आम आदमी के मन की बात कही जा रही है। उनका आत्मीय उद्बोधन यह भरोसा भी दिलाता है कि वे मन की बात के माध्यम से सीधे–सीधे आम आदमी से ही बातचीत कर रहे होते हैं।

इसी मन की बात में जब श्री मोदी ने अपने आसपास के वातावरण को साफ सुथरा रखने की बात कही तो कुछ राजनेताओं ने उसे विनोद पूर्ण लहजे में लिया। किंतु आज जब अनेक विशिष्ट जनों, संभ्रांत नागरिकों और बड़े–बड़े धनाढ्यों को दलबल सहित सफाई करते देखता हूँ और यह सब मन की बात की प्रेरणा से हो रहा है, यह जानकारी पाता हूं तब स्वीकारना पड़ता है कि यदि बात मन से की जाए तो वह मन तक ही पहुंचती है और उसके परिणाम ठीक वैसे ही मिलते हैं जैसी हमने अपेक्षा की होती है। चूंकि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आम जनता के मन की बात अपने मन की गहराइयों से आम आदमी के हित में व्यक्त करते हैं, तो उनके मन की बात आम आदमी के मन को सीधे स्पर्श करती है और क्योंकि मन की बात सच्चे मन से कही गई होती है तो वह अपना व्यापक प्रभाव भी छोड़ती है, जिसके सकारात्मक परिणाम केवल देश ही नहीं वरन् वैश्विक हित में भारतीय नागरिकों की ओर से सामने आने शुरू हो गए हैं। हमें विश्वास है मन की बात ने वैश्विक स्तर पर भी नीति नियंताओं के समक्ष अपना सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है। उसके परिणाम विश्व में अमन शांति और विकास का नया पथ स्थापित करेंगे, ऐसा विश्वास है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 115 वें एपिसोड के प्रसारण पर सभी देशवासियों को अनेक अनेक बधाइयाँ।

विशेष – मन की बात कार्यक्रम को मोबाइल पर भी सुना जा सकता है। इसके लिए मोबाइल नंबर 8190881908 पर मिस्ड कॉल करना होता है। मन की बात को लेकर यदि कोई सुझाव प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तक भेजने हैं तो इस कार्य के लिए सुझाव MyGov के टॉल फ्री नंबर 1800117800 पर प्रेषित किये जा सकते हैं।

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन

–: विजन :–

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन का विश्वास है कि राष्ट्र का प्रत्येक नागरिक संविधान प्रदत्त अधिकारों का लाभ उठाते हुए आगे बढ़े और राष्ट्र निर्माण में एक सक्षम एवं सजग नागरिक की भाँति अपनी भूमिका का निर्वहन करें।

–: मिशन :–

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन समाज में व्याप्त सभी असमानताओं को दूर करने के संकल्प के साथ एक ऐसे वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जहा प्रत्येक वर्ग और वर्ण के महिलाओं और पुरुषों व दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी मूलभूत व्यवस्थाओं की आवश्यकता आधारित और अधिकार आधारित उपलब्धता के लिए शासन, प्रशासन और समुदाय के बीच समन्वय स्थापित करना।

दिव्यांग लोगों के लिए दान का महत्व

डॉ. साधुराम शर्मा

पूर्व अधिष्ठाता , कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं पूर्व कमिश्नर, गन्ना विकास (म.प्र. शासन) भोपाल

दिव्यांग लोगों के लिए दान करने का महत्व समाज में सम्मान, समरसता, और सामाजिक समावेशीता के प्रतीक है। दान के द्वारा समर्थ लोग समाज के इस अधिकांश समूह को सहायता प्रदान करते हैं जो विभिन्न रूपों में अपने अक्षम प्राकृतिक कारणों से उन्हें अवसरों और समानता से वंचित रहने का सामना करते हैं। अगर आप सोच रहे की दिव्यांग लोगो के लिए आप कहा दान करे तो नारायण सेवा संस्थान सहित वसुंधरा विशेष विद्यालय, सीहोर, सक्षम संगठन उसके लिए एक अच्छा विकल्प है। इन संस्थान के लिए दान करना दिव्यांग लोगों को समर्थ बनाने का एक शक्तिशाली माध्यम है। इस संस्थान का कार्य विकलांग व्यक्तियों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, और रोजगार के अवसर प्रदान करना है, जो उन्हें समाज में समावेशित बनाने में मदद करता है। आपका दान कई सेवा संस्थान के माध्यम से दिव्यांग लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकता है, और उन्हें समाज में समरसता और समानता का अनुभव कराने में योगदान कर सकता है। इस लेख में, हम दिव्यांग लोगों के लिए दान करने के महत्व के कुछ प्रमुख पहलुओं पर विचार करेंगे।

दिव्यांग लोगों के लिए दान करना न केवल एक नैतिक कर्तव्य है, बल्कि यह समाज में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में भी मदद करता है। दिव्यांग लोगों के लिए दान करने से निम्नलिखित लाभ हो सकते हैं :–

- सामाजिक एकता : दिव्यांग लोगों के लिए दान करने से समाज में एकता और समर्थन की भावना बढ़ती है।
- आर्थिक सहायता : दिव्यांग लोगों को अक्सर आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है, जैसे कि चिकित्सा उपचार, उपकरण और अन्य सुविधाएं।
- शिक्षा और रोजगार : दिव्यांग लोगों के लिए दान करने से उन्हें शिक्षा और रोजगार के अवसर प्राप्त करने में मदद मिलती है।
- आत्म–सम्मान : दिव्यांग लोगों के लिए दान करने से उन्हें आत्म–सम्मान और स्वतंत्रता की भावना मिलती है।
- समाज में परिवर्तन : दिव्यांग लोगों के लिए दान करने से समाज में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में मदद मिलती है, जैसे कि दिव्यांग लोगों के अधिकारों की रक्षा और उनके लिए सुविधाएं प्रदान करना।

दिव्यांग लोगों के लिए दान करने के कई तरीके हैं, जैसे कि :

- दिव्यांग लोगों के लिए काम करने वाले संगठनों को दान देना।
- दिव्यांग लोगों के लिए आवश्यक उपकरण और सुविधाएं प्रदान करना।
- दिव्यांग लोगों के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर प्रदान करना।
- दिव्यांग लोगों के लिए दान करना एक नैतिक कर्तव्य है और समाज में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन लाने में मदद करता है।

वसुंधरा विशेष विद्यालय, सीहोर के दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस पर समाजसेवी आदरणीय मधुर विजयवर्गीय जी ने फिजियो थेरेपी मशीने भेंट की एवं दिव्यांगजनों के लिये निःशुल्क फिजियो थेरेपी सेंटर का उद्घाटन किया।

कृषि विकास एफपीओ का शुभारंभ

किसानों को प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के संबंध दी जानकारी

शुजालपुर. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड शाजापुर अंतर्गत वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन की संचालित व्योमी फॉर्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कृषक उत्पादक संगठन एफपीओ कार्यालय का नाबार्ड जिला विकास प्रबंधक धीरेंद्र कोरी, एलडीएम योगेश कुशवाह, मत्स्य विभाग डिप्टी डायरेक्टर शाजापुर आर.आर रजक, किशोर महाजन निरीक्षक व समाजसेवी हेमराज मेवाड़ा की उपस्थिति में किया। एफपीओ के रामेश्वर, गजराज, राजेंद्र, पिंकी, रामस्वरूप, चंद्रभान, हेमंत, कमल सहित कृषक उपस्थित थे। उपज में प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन के संबंध में कहा कि एफपीओ के लिए विपणन के कई अवसर मिलेंगे। उन्होंने नाबार्ड और सीबीबीओ कृषि विकास से एफपीओ का मार्गदर्शन जारी रखने को कहा, ताकि लाभकारी मूल्य मिल सके। डीडीएम ने एफपीओ बीओडी से शीघ्रता से अधिक से अधिक सदस्यता जुटाने की अपील की।

इक्विटी अनुदान सहायता का दावा कर सकें, जिसका उपयोग व्यवसाय विस्तार के लिए किया जा सकता है। संस्था अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने संस्था व कंपनी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यकर्ता उपदेश मलावी, अंजना राठौर, दीपक मेवाड़ा, अलका, अंजली, पूजा मालवीय, शुभम, प्रशांत मौजूद थे। संचालन रवि मेवाड़ा ने किया।

दैनिक भास्कर सीहोर 15-01-2022

आयोजन • स्वामी विवेकानंद ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ

प्रतिभागियों को मंच प्रदान करना हमारा कर्तव्य ही नहीं जिम्मेदारी भी : सुदेश राय

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया पुरस्कृत

विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता पर जोर दिया

उत्कृष्ट विद्यालय की शाला पत्रिका अभिनव पहल का विमोचन

हरिभूमि

भोपाल - मालवा भूमि

Date 4 Mar 2023

महिलाओं द्वारा बांस के सजावटी सामान बनाने के प्रशिक्षण का हुआ समापन

कालापीपल। जनपद के ग्राम पंचायत बड़बेली में वसुंधरा वेलफेयर फ़ाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास (नाबार्ड) सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम अंतर्गत 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम ग्राम पंचायत- बड़बेली, में किया गया। जिसमें सरिता पवार जनपद पंचायत अध्यक्ष कालापीपल, अध्यक्षता जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड शाजापुर धीरेंद्र कोरी, ललित आचार्य एलडीएम बैंक ऑफ़ इंडिया शाजापुर, प्रतिभा जैन ज़िला प्रोग्राम मैनेजर एनआरएलएम शाजापुर, अर्जुन सिंह अध्यक्ष वसुंधरा वेलफेयर फ़ाउंडेशन, भूरीबाई सरपंच ग्राम पंचायत बड़बेली, वर्षा कुशवाहा ब्लॉक मैनेजर एन आर एल एम कालापीपल, दयाराम एबीएम एनआरएलएम के अतिथि उपस्थिति रहे सभी अतिथियों ने महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को सराहा गया व आगे इस कार्य को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन किया गया। अतिथियों द्वारा महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए व विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में सभी महिलाओं को गिफ्ट भी भेंट किए गए।

इस प्रशिक्षण में महिलाओं द्वारा अपने हाथो से बांस पात्रधार, फलावरपाट, चुड़ी स्टैंड, वॉल पीस, पानदान, पेन स्टैंड, चोकोन वाले पेन स्टैंड, कप, हेरपिन, मंदिर और नाव बनाये और फिनिसिंग कर वार्निश कलर किए गये। मंच संचालन संस्था कॉर्डिनेटर माधुरी सौंटके द्वारा किया गया।

वसुंधरा वेलफेयर फ़ाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास (नाबार्ड) सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम हुआ आयोजित

महिलाओं द्वारा बांस के सजावटी सामान बनाने के प्रशिक्षण का हुआ समापन -

पिपरिया। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास (नाबार्ड) सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम अंतर्गत 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम शासकीय कन्या महाविद्यालय पिपरिया जिला नर्मदापुरम मप्र में किया गया जिसमें अतिथि श्रीमती पूनम साहू नायब तहसीलदार, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड नर्मदापुरम श्री दीपक पाटिल, श्रीमती मीना द्विवेदी प्राचार्य कन्या महाविद्यालय, श्री अर्जुन सिंह अध्यक्ष वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, श्रीमति मीरा गढ़वाल, श्रीमती किरण मुंदडा उपस्थित रहे सभी अतिथियों ने महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को सराहा गया व आगे इस कार्य को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन किया गया। महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, संस्था अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत हाथवास व सिलारी पिपरिया की महिलाओं व लड़कियों ने स्वरोजगार करने के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण लिया है प्रशिक्षण के बाद महिलायें अपना उद्योग केंद्र व स्वरोजगार कर अपनी आजीविका बढ़ा सकेंगी व महिलायें अपने घर से ही बांस के सजावटी समान बनाकर बाजार व ऑनलाइन भी बेच सकेंगी। अतिथि श्रीमती पूनम साहू नायब तहसीलदार व जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड नर्मदापुरम श्री दीपक पाटिल द्वारा महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस प्रशिक्षण में महिलाओं द्वारा अपने हाथो से बांस पात्रधार, फलावरपाट, चुड़ी स्टैंड, वॉल पीस, पानदान, पेन स्टैंड, चोकोन वाले पेन स्टैंड, कप, हेयरपिन, मंदिर और नाव व मोमेंटो बनाये गये और फिनिसिंग कर वार्निश कलर किए गये। मंच संचालन किरण मुंदडा जी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था कार्यकर्ता श्री लोकेंद्र सिंह, श्रीमती सरिता ठाकुर, नीलू ठाकुर, खुशबू, बबली, ऋतु तिवारी, प्रतिभागी महिलायें, विद्यार्थी व महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अनिता साकळे, डॉ सरोज साहू की विशेष उपस्थिति रही।

महिलाओं ने लिया बांस के उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण

जागरण पिपरिया। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास (नाबार्ड) सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम अंतर्गत 15 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन कार्यक्रम शासकीय कन्या महाविद्यालय में किया गया जिसमें अतिथि पूनम साहू नायब तहसीलदार, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड नर्मदापुरम दीपक पाटिल, मीना द्विवेदी प्राचार्य कन्या महाविद्यालय, अर्जुन सिंह अध्यक्ष वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, मीरा गढ़वाल, किरण मुंदडा उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों को सराहा गया व आगे इस कार्य को बढ़ने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। इस प्रशिक्षण में महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत हाथवास व सिलारी पिपरिया की महिलाओं व युवतियों ने स्वरोजगार करने के लिये निःशुल्क प्रशिक्षण लिया है। प्रशिक्षण के बाद महिलायें अपना उद्योग केंद्र व स्वरोजगार कर अपनी आजीविका बढ़ा सकेंगी व महिलाएं अपने घर से ही बांस के सजावटी समान बनाकर बाजार व ऑनलाइन भी बेच सकेंगी। अतिथि पूनम साहू नायब तहसीलदार व जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड नर्मदापुरम दीपक पाटिल द्वारा महिलाओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस प्रशिक्षण में महिलाओं द्वारा अपने हाथो से बांस पात्रधार, फ्लावर पाट, चूड़ी स्टैंड, वॉल पीस, पानदान, पेन स्टैंड, चौकोर वाले पेन स्टैंड, कप, हेयरपिन, मंदिर और नाव व मोमेंटो बनाये गये और फिनिसिंग कर वार्निश कलर किए गये। मंच संचालन किरण मुंदडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संस्था कार्यकर्ता लोकेंद्र सिंह, सरिता ठाकुर, नीलू ठाकुर, खुशबू, बबली, ऋतु तिवारी, प्रतिभागी महिलाएं, विद्यार्थी व महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ अनिता साकळे, डॉ सरोज साहू की विशेष उपस्थिति रही।

हरिभूमि

भोपाल - सीहोर भूमि

11 Nov 2021

स्वामी विवेकानंद भारत ज्ञान प्रतियोगिता का हुआ विमोचन

प्रतियोगिता 2 माह चलने वाली है। प्रश्न पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर रखी है। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण 12 जनवरी 2022 को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीहोर में किया जाएगा।

पर्यावरण सुधारने रोपे गए 101 पौधे

टीम एब्सल्यूट ■ सीहोर

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर मध्यप्रदेश द्वारा ... के सहयोग से 101 पौधे शासकीय स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल परिसर में लगाए गए। ... पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन हेतु एक वर्षीय वृक्षारोपण कार्यक्रम वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर जिले में अभियान चला रहा है जिसमें पौधे फूल, औषधि, फलदार, छायादार पौधे लगाये जा रहे हैं। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अर्जुन सिंह, शासकीय स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल की प्राचार्या नीना दुबे व शिक्षक आर के शर्मा, पी के शर्मा, शैलेन्द्र राजपूत, अमित ... व समस्त शिक्षक स्टाफ संस्था के कार्यकर्ता रिया नामदेव, मोना नामदेव प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर, सुनील परमार, रमेश मालवीय, प्रताप मेवाड़ा, ... यादव, पंचायत सरपंच नीरज परमार, अनार सिंह परमार आदि शामिल हुए।

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा होगा स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर

पंडित प्रदीप मिश्रा जी एवं समाजसेवी अखिलेश राय जी का स्वागत सम्मान

स्वराजवाणी/हिमालय गोहिया(सीहोर)-

संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती पर सीहोर नगर पालिका परिषद द्वारा नियुक्त किए गए स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर विश्व प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा जी एवं समाजसेवी माननीय अखिलेश राय जी व सैनिकों का सम्मान समारोह कार्यक्रम किया जा रहा है सम्मान समारोह चंद्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय पीजी कॉलेज भोपाल नाका सीहोर में 23 जनवरी 2022 को किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय चंद्र मोहन जी ठाकुर कलेक्टर सीहोर, अध्यक्षता डॉ अशोक सिंह भदोरिया उपसंचालक पशु पालन एवं डेयरी विभाग जिला सीहोर, विशिष्ट अतिथि डॉ श्रीमती उर्मिला सलूजा प्राचार्य पीजी कॉलेज सीहोर, की गरिमामय उपस्थिति में किया जाएगा। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक श्री अर्जुन सिंह द्वारा यह जानकारी दी गई और सम्मान समारोह व आशीर्वचन के लिए शहर के गणमान्य नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित रहने की अपील की। स्वागत आकांक्षी अर्जुन सिंह निदेशक वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, ऋषि मीणा कौटिल्य अकेडमी डायरेक्टर, प्रताप मेवाड़ा, हरिओम शर्मा दाऊ, ब्रजमोहन जी सोनी हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष, उमा जी पालीवाल जय भारत मंच जिला अध्यक्ष महिला विंग, कृतिका जी अग्रवाल वसुंधरा फाउंडेशन, आर के बांगरे प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय सीहोर, दिनेश वर्मा प्राचार्य मॉडल स्कूल।

शासकीय महाविद्यालय में छात्र छात्राओं को सिखा रहे माटी कला के आयाम

राहतगढ़। नगर के शासकीय महाविद्यालय में सामाजिक संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड सागर के अंतर्गत उद्यम विकास कार्यक्रम 15 दिवसीय प्रशिक्षण के द्वितीय दिवस में नाबार्ड जिला विकास प्रबंधक अभिषेक घोष संस्था निदेशक अर्जुन सिंह एवं संस्था प्राचार्य डॉ चंदनसिंह सागर के निर्देशन में प्रशिक्षक द्वारा छात्र छात्राओं एवं महिलाओं को माटी कला से गणेश प्रतिमा, दीपक, चाय के कुल्हड़, तृतीय दिवस में दीपक, मटका, गिलास, कटोरा तथा चतुर्थ दिवस मे मूर्ति निर्माण मूर्ति सांचा डाई बनाना गोबर के दीपक मूर्ति के लिए मिट्टी तैयार करना आदि सिखाया गया। कार्यक्रम में नेहा दुबे, भावना बघेल, डॉ श्रीकांत रिंगे, डॉ ऋतु व्यास, डॉ नेहा सक्सेना, संदीप जैन, आशीष रैकवार, डॉ अपर्णा दुबे, दीपशिखा, डॉ रश्मि जैन, डॉ भरत पटेल, अंजुलता गोस्वामी, डॉ नेहा नगाइच, शरद भारद्वाज, अनीता मालवीय, ध्रुवलाल नेमा, राजू रजक, ममता रैकवार, नफीस मकरानी, लखन पटेल एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

मिट्टी से कलाकृतियां बनाने का प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थी

हलचल राहतगढ़। सोमवार से शासकीय महाविद्यालय में नाबार्ड बैंक के सहयोग से सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम के तहत मिट्टी से कलाकृतियां बनाने का प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। 15 दिवसीय चलने वाले प्रशिक्षण में पहले दिन 90 विद्यार्थियों ने अपना पंजीयन कराया। पहले दिन धूपबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी मिट्टी से तरह तरह की मूर्तियों और कलाकृतियों का निर्माण कर अपने हुनर के माध्यम से 15 दिवस के प्रशिक्षण में सीख सकें। इससे उन्हें स्वरोजगार मिल सकेगा। विदित हो कि केंद्र तथा राज्य स्तर पर स्वरोजगार हेतु विविध योजनाओं को संचालित किया जा रहा है। इसी के चलते शीर्षक नेशनल वर्कशॉप एंड हैंड ऑन ट्रेनिंग ऑन क्ले मॉडलिंग एंड काऊ डंग प्रोडक्ट का शुभारंभ कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय प्राचार्य डॉ प्रवीण शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ इमराना सिद्दीकी, प्राचार्य डॉ चंदनसिंह सागर, जनभागिदारी अध्यक्ष कौशल किशोर कन्होआ, वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक अर्जुनसिंह ने किया। इस मौके पर संजय ठाकुर, नेहा दुबे, भावना बघेल, ध्रुवलाल नेमा, राजू रजक, डॉ श्रीकांत रिंगे, डॉ ऋतु व्यास, डॉ नेहा सक्सेना, संदीप जैन, आशीष रैकवार, डॉ अपर्णा दुबे, रश्मि जैन, डॉ भरत पटेल, अंजुलता गोस्वामी, डॉ नेहा नगाइच, शरद भरद्वाज, अनीता मालवीय, दीपशिखा नेमा, ममता रैकवार, नफीस मकरानी, लखन पटेल सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। आभार प्राचार्य चंदनसिंह सागर ने जताया।

15 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

मिट्टी, गोबर से निर्मित कलाकृतियों की लगाई प्रदर्शनी।

... प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में रुचि दिखाएंगी। प्राचार्य डॉ.चंदनसिंह सागर ने कहा कि तरह के कार्यक्रम में लक्ष्य निर्धारण प्रमुख उद्देश्य रहा है। हमें पूर्ण विश्वास है कि हम कामयाब रहे। कार्यक्रम प्रभारी अर्जुनसिंह ने बताया कि निश्चित रूप से भाग लेने वाले प्रशिक्षु लाभान्वित होंगे। इस मौके पर जनभागीदारी अध्यक्ष कौशल किशोर कन्हौआ, एसडीएम देवेंद्रप्रताप सिंह, सीईओ ...

समारोह स्वामी विवेकानंद भारत ज्ञान प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

लक्ष्य प्राप्ति के लिए कठिन परिश्रम आवश्यक है: कलेक्टर

माईन्यूज 12 दिसम्बर 22

रक्तदान शिविर का आयोजन

सीहोर माईन्यूज। बैंक के तत्वाधान मे वसुंधरा वेलफेयर एवं जिला अस्पताल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे एसडीएम अमन मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम में संस्था के छात्रों एवं शिक्षकों सहित नगर के नागरिकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और रक्तदान किया। एचडीएफसी के मैनेजर आकाश राठौर ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विगत 14 वर्षों से निरंतर प्रतिवर्ष बैंक द्वारा पूरे देश में दिसम्बर माह में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तादान दाताओं को प्रशस्ति पत्र उपहार भेट किये गये।

प्रदेश टाइम्स — सीहोर, बुधवार, 25 सितम्बर 2024 — 5

दिव्यांगजनों की सेवा ही ईश्वर की सच्ची सेवा है : गौतम टेटवाल

प्रदेश टाइम्स ➡ सीहोर

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित वसुंधरा विशेष विद्यालय ब्रह्मपुरी कालोनी सीहोर में सक्षम संगठन द्वारा महामुनि अष्टावक्र की जयंती का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री गौतम टेटवाल कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मध्य प्रदेश शासन व अध्यक्षता साधुराम शर्मा सेवा निवृत्त मुख्य आयुक्त शासन की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर महामुनि अष्टावक्र की तस्वीर पर माल्यार्पण किया एवं पुष्प अर्पित किये। मंत्री ने कहा कि संगठन द्वारा दिव्यांगजनों की जो सेवा की जा रही है वो ही ईश्वर की सच्ची सेवा है महामुनि अष्टावक्र दिव्यांगों के प्रेरणा स्रोत है उन्होंने जनक जी की सभा में शास्त्रार्थ में सबको हराकर अपने ज्ञान का परिचय दिया था। सभी दिव्यांग उनसे प्रेरणा ले और अपने आप को कमजोर ना समझे बल्कि सक्षम बने व इस अवसर पर उन्होंने अपने कृषि कॉलेज सीहोर के संस्मरण सुनाए और संदेश दिया कि संगठन के छोटे छोटे सेवा कार्यों से ही व्यक्ति बड़े पदो पर पहुँच सकता है आप लोगो ने जो सेवा व्रत लिया है वह अनुकरणीय है जो दिव्यांगजनों की सफलता का मार्ग प्रशस्त करता है। इस अवसर साधुराम शर्मा द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में पहुँच सेवा का संकल्प दिलाया व सक्षम के प्रांत युवा आयाम प्रमुख और वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष अर्जुन सिंह जी ने सक्षम संगठन व वसुंधरा के कार्यों से अवगत कराया व जिले की कार्यकारिणी के नवीन दायित्वों की घोषणा की।

इस अवसर पर सक्षम संगठन के पदाधिकारी अभिराज शर्मा, जिला अध्यक्ष एच एल वर्मा जी, जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र चंदेल, जिला सचिव प्रदीप नागिया, जिला उपाध्यक्ष आर एस मकवाना, जिला उपाध्यक्ष कैलाश सोलंकी, जिला कोषाध्यक्ष अशोक सोनी, जिला मंत्री कमलेश राठौर, कमल धनगर, राहुल विजयवर्गीय, युवा आयाम प्रमुख तरुण श्रीवास्तव, शिक्षक अंजना राठौर, अशोक चंद्रवंशी, अभिषेक चंद्रवंशी, दिव्यांश चंद्रवंशी, आकाश चंद्रवंशी, सुमित वर्मा, विवेक राठौर की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन सचिव प्रदीप नागिया द्वारा किया गया।

माई न्यूज — माईन्यूज — 3 जनवरी 23

दिव्यांग बच्चों के लिये विशेष स्कूल का शुभारंभ

सीहोर माईन्यूज। प्रायवेट संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा गांधी कॉलोनी गंज में निःशुल्क दिव्यांगों के लिये विशेष विद्यालय प्रारंभ किया गया है। जिसका शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर एवं कलेक्टर प्रवीण सिंह

ने किया। कार्यक्रम में हरिओम शर्मा दाऊ का दिव्यांग बच्चों के साथ जन्मदिन मनाया गया। साथ ही दिव्यांग बच्चों को खिलौने, चॉकलेट पुस्तक सामग्री भेंट की गई।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए खोला गया विशेष विद्यालय सराहनीय पहल है। संस्था के निदेशक अर्जुन सिंह ने दिव्यांग विद्यालय कार्ययोजना एवं संस्था के कार्यों के बारे में जानकारी दी।

प्रदेश टाइम्स — सीहोर, सोमवार, 2 दिसम्बर 2024 — 8

समाजसेवी मधुर विजयवर्गीय ने वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्याँग विद्यार्थियों को फिजियो थेरेपी की मशीने की भेंट

निशुल्क कराटे प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को प्रमाण-पत्र बांटे

सीहोर। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा आयोजित निशुल्क कराटे का प्रशिक्षण ले रही 100 छात्राओं को आज वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के संरक्षक आदरणीय अखिलेश राय और मुख्य अतिथि साहित्य अकादमी मध्यप्रदेश शासन के निदेशक डॉ विकास दवे के कर कमलों द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक 1 सीहोर में प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम किया गया।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य आर के बांगरे, हरिओम शर्मा दाऊ वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के पालक, विशेष अतिथि शासकीय मॉडल स्कूल प्राचार्य दिनेश वर्मा, विशेष अतिथि शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ गौरव ताम्रकार, बृजेश पाराशर प्रशिक्षण प्रभारी, वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के निदेशक अर्जुन सिंह जी, न्यूक्लियस कोटा कोचिंग सीहोर शाखा ब्रांच हेड ऋषि मीणा, श्रीमती शालिनी महेश्वरी, नर्मदाप्रसाद भूतपूर्व सैनिक, दीपक विश्वकर्मा, नरेंद्र राजपूत, प्रदीप नागिया, तथा स्वामी विवेकानंद भारत ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उत्कृष्ट विद्यालय के सौ छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र का भी वितरण किया गया, कार्यक्रम का संचालन श्रीमती राखी जी नामदेव ने किया, आभार वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के संरक्षक आदरणीय अखिलेश राय द्वारा किया गया।

प्रदेश टाइम्स — सीहोर, बुधवार, 31 जुलाई 2024 — 5

वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग बच्चों के साथ नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने मनाया अपना जन्मदिवस

माई न्यूज — माईन्यूज — 19 दिसम्बर 22

दिव्यांग बच्चों के लिये विशेष विद्यालय खोलेगी संस्था

सीहोर माईन्यूज। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन संस्था सीहोर के कार्यकर्ता रवींद्र ठाकुर, मनीषा सेन व अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा सीहोर शहर के दिव्यांग बच्चो का सर्वे किया जा रहा है संस्था के निदेशक अर्जुन सिंह ने बताया की सीहोर शहर में सेंकड़ो दिव्यांग बच्चे है जो मानसिक रूप से दिव्यांग है संस्था के कार्यकर्ता शहर के दिव्यांग बच्चों के घरों में जाकर माता पिता से संपर्क कर बच्चों की समस्याओं का सेर्वेक्षण कार्य व

विशेष विद्यालय भेजने हेतु प्रेरित किया जा रहा है संस्था द्वारा सीहोर शहर में निःशुल्क विशेष विद्यालय खोला जायेगा। संस्था द्वारा जल्द ही विशेष विद्यालय शुरू किया जा रहा है और संस्था के निदेशक ने शहर के नागरिकों से निवेदन किया कि इस पुनीत कार्य में संस्था का सहयोग कर दिव्यांग बच्चों को विशेष विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करे।

वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग बच्चों से मिलने पहुंचे अनुविभागीय अधिकारी

एसडीएम ने दिव्यांग बच्चों से वन टू वन किया संवाद

निशुल्क विद्यार्थियों पढ़ाने खोला शिक्षा मंदिर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

सक्षम अभियान समिति नर्मदांचल द्वारा कोरोना महामारी के दौरान स्कूल नही लगने के कारण निर्धन बच्चों को उचित शिक्षा प्राप्त हो इस लिए से यादव मोहल्ला कस्बा में शिक्षा मंदिर नाम से एक शिक्षा केंद्र प्रारंभ किया गया है इस केंद्र में यह बच्चे जो कोचिंग नहीं कर सकते है और योग्यता होने के बावजूद भी अच्छी शिक्षा प्राप्त नहीं कर पाते है ऐसे बच्चों के लिए सक्षम अभियान समिति नर्मदांचल द्वारा सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुये शिक्षा मंदिर प्रारंभ किया गया।

इस केंद्र में शिक्षित शिक्षक सलोनी वशिष्ठ, सरिता यादव, राज यादव, अंजली यादव व तनु सोनी द्वारा सेवा भाव के तहत निशुल्क रूप से इन बच्चों को अलग-अलग विषय के प्रशिक्षण शिक्षण प्रदान किए जाते हैं। उक्त जानकारी देते हुए संस्था के अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने बताया कि यह संस्था का पहला प्रयास है इसके बाद संस्था अन्य जिलों में भी इसी तरह के शिक्षा मंदिर प्रारंभ करेगी। इससे विद्यार्थियों को लाभ मिल सके।

सीहोर। विद्यार्थियों के लिए की पहल पढ़ते हुए विद्यार्थी

वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्याँग विद्यार्थियों ने दीपक सुसज्जित कर किए दीप डेकोरेशन, आत्मनिर्भर बनने के लिए दिया गया प्रशिक्षण

वृंदा विश्वकर्मा कि खबर सिहोर से। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित वसुंधरा विशेष विद्यालय सीहोर के दिव्याँग विद्यार्थियों द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर मिट्टी के दीपकों को सुसज्जित किया गया। संस्था के अध्यक्ष अर्जुन सिंह जी ने बताया कि संस्था के विद्यार्थियों को विशेष शिक्षण के साथ साथ योग, ध्यान, थैरपी, ऑक्युपेशनल थैरपी खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियाँ कराई जाती है संस्था द्वारा विद्यार्थियों को वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी जाती है हमने वोकेशनल ट्रेनिंग में इस बार स्पेशल एजुकेटरो द्वारा मिट्टी के दीपकों को सजावट करने संबधी प्रशिक्षण दिया है इस दौरान बच्चो ने मिट्टी के दीपक को पेंटिंग करके आकर्षक बनाया इसके अलावा अलग अलग तरीके से मिट्टी के दीपक को आकर्षक बनाकर उसको बेचकर आजीविका चलाने व आत्मनिर्भर बनाने के गुर सिखाए है। जिसका मुख्य उद्देश्य इन दिव्यांग विद्यार्थियों में हुनर विकसित कर एम्पलोयमेंट काउंसलिंग के जरिये इनको रोजगार से जोड़ना होता है जिससे की यह आत्मनिर्भर बन कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके और परिवार पर आश्रित ना होकर परिवार का सहारा बन सके। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष व कार्यकर्ताओं ने इस दीपावली पर्व के तहत सुसज्जित दीपकों के बॉक्स बनाकर अलग अलग संस्थानों व समुदाय स्तर पर घर-घर जाकर इस दीपावली पर जगमगाहट करने के लिए वितरित करेंगे ताकि इस दिपावली पर दीपकों की जगमगाहट रूपी रौशनी, इन दिव्यांग बच्चों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करें। शहरवासियों से भी अपील की गई है कि सभी ऐसे बच्चों से दीपक खरीदकर उन्हे प्रोत्साहित करे ताकि दीपावली का त्यौहार उनके लिए खुशियां लेकर आ सके।

दिव्यांग बच्चो का सर्वेक्षण

बच्चों ने नशा नहीं करने की शपथ ली

सीहोर माईन्यूज। वसुंधरा विशेष विद्यालय गांधी कॉलोनी गंज में महेश यादव उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें नशा एक सामाजिक बुराई है इसके नुकसान से अवगत कराया गया। इस अवसर पर श्रीमती उमा जी चौरसिया, श्रीमति सोनू वारिया शिक्षक उपदेश भलावी, अंजना राठौर, पूजा दोहरे, पूजा सेन, पूजा मालवीय व गांधी वार्ड के महिला, पुरुष,बच्चे उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों द्वारा मनाई गई गौलोक वासी स्वर्गीय पुष्पेंद्र जी भदौरिया की द्वितीय पुण्यतिथि

शब्दवार्ता, सीहोर। गौलोक वासी स्वर्गीय पुष्पेंद्र जी भदौरिया की द्वितीय पुण्यतिथि उनकी स्मृति में परिवार द्वारा वसुंधरा वेलफेयर फ़ाउंडेशन द्वारा संचालित वसुंधरा दिव्यांग विशेष विद्यालय गांधी कॉलोनी गंज सीहोर में दिव्यांग बच्चों के साथ श्रद्धांजलि कार्यक्रम2 पंडित मोहित राम पाठक जी के सानिध्य में श्रीराम नाम संकीर्तन के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसमें श्रीमति पूजा जी भदौरिया व उनके परिवार द्वारा विद्यालय के बच्चों के लिए एल सी डी टीवी प्रदान की गई और विद्यार्थीयों को भोजन कराया गया। जिसमें हरिओम शर्मा दाऊ, प्रदीप साबू, नरेन्द्र जी शर्मा, दिनेश वर्मा प्राचार्य शासकीय मॉडल स्कूल, ब्रजमोहन सोनी ने बच्चों का गीत, कविता व खेल के माध्यम से उत्साहवर्धन किया साथ ही मनोज जैन, महेश जी पारीक, अंबर जी जैन, भगवान दास की सोनी, एल एस जी सेन,श्री दीपक विश्वकर्मा, अर्जुन सिंह अध्यक्ष वसुंधरा वेलफ़ेयर फ़ाउंडेशन, कॉर्डिनेटर रवींद्र ठाकुर, शिक्षक श्रीमती रचना वर्मा, कार्यकर्ता मनीषा सेन, कार्यकर्ता पूजा सिसोदिया उपस्थित रहे प्रदीप जी नगिया ने मंच संचालन किया व आभार व्यक्त संस्था अध्यक्ष अर्जुन सिंह जी ने किया।

कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों ने खरीदे दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाए गए दीपक

सीहोर। दिव्यांग बच्चों के साथ कलेक्टर और अन्य अधिकारी। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, सीहोर: जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक के पूर्व कलेक्टर प्रवीण सिंह, अपर कलेक्टर वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर व प्रभारी जिला पंचायत सीइओ नितिन टाले, संयुक्त कलेक्टर वंदना राजपूत, आनंद सिंह राजावत सहित सभी विभागों के जिलाधिकारियों ने वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग बच्चों द्वारा सुसज्जित किए गए मिट्टी के दीपक खरीदे। इन बच्चों द्वारा दीयों को विविध रंगों के माध्यम से अपनी कल्पनाशीलता को विभिन्न रंग-बिरंगी आकर्षक आकृति के रूप में व्यक्त किया है। जिला पंचायत सभाकक्ष में सभी अधिकारियों द्वारा 13 हजार रुपए के दीपक खरीदे गए। सभी दिव्यांग बच्चे कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को अपने बीच पाकर बेहद प्रसन्न नजर आए। कलेक्टर ने सभी बच्चों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते उनकी इस कलाकृति की सराहना की। बच्चों ने कलेक्टर सहित सभी अधिकारियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन संस्था के अध्यक्ष अर्जुन सिंह ने बताया कि संस्था के विद्यार्थियों को विशेष शिक्षण के साथ साथ योग, ध्यान, थेरेपी, आक्युपेशनल थेरेपी, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां भी कराई जाती है।

"दिव्यांगजनों के साथ एक समावेशी एवं समृद्ध राष्ट्र निर्माण"

डॉ. कुमार गोविल, सहायक प्राध्यापक, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

समाज ही राष्ट्र की मजबूती एवं सतत विकास का आधार होता है एवं समाजसेवा के कार्यों में सामाजिक संस्थाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। हमारा राष्ट्र विकसित भारत के निर्माण में निरंतर आगे बढ़ रहा है जिसमें विभिन्न सामाजिक संगठनो द्वारा दिव्यांगजनों को भी साथ जोड़ कर एक समग्र एवं खुशहाल राष्ट्र की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। इसी क्रम में वसुंधरा फाउंडेशन सीहोर द्वारा दिव्यांगजनों की शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण, नशामुक्ति अभियान आदि महत्वपूर्ण कार्य सफलता पूर्वक किये जा रहे हैं। दिव्यांगजनों को साथ ला कर मुख्य समाज से जोड़ने का कार्य सामाजिक संगठनो द्वारा ही किया जा सकता है साथ ही उन्हें भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा संचालित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिला कर उन्हें रोजगार के माध्यम भी उपलब्ध कराये जा सकते है जिससे वह जीवनयापन के लिए किसी पर निर्भर भी न रहे। जब हम ऐसा करने में कामयाब होंगे तब ही हम सच्चे अर्थों में एक विकसित राष्ट्र कहला सकेगें।

हमें एक समावेशी भारत के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित करना की आवश्यकता है जिसमे राष्ट्र के बौद्धिक एवं शारीरिक दिव्यांगताओं से प्रभावित व्यक्तियों को समाज की विभिन्न गतिविधियों में समाविष्ट कर एक समावेशी भारत का निर्माण किया जा सकें एवं उन्हें समाज की प्रत्येक गतिविधियों में पूर्ण हिस्सेदार बनाकर पूर्ण आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकें। हम सभी को यह प्रयास करना चाहिए की दिव्यांगजन भी अन्य व्यक्तियों के समान अपने सामर्थ्य एवं विशिष्टता के द्वारा समाज में अपनी पहचान बना सकें। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2006 में जारी घोषणा पत्र भी विकासात्मक एवं बौद्धिक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों के लिए विद्यालय, महाविद्यालय, समाज एवं कार्यस्थलों में बराबरी की भागीदारी के लक्ष्यों को रेखांकित करता है। इन समावेशीकरण के प्रयासों से दिव्यांगजनों के भीतर अपनेपन की भावना का विकास होगा साथ ही उनका आर्थिक एवं सामाजिक विकास भी सुगम होगा। हमारा समाज अधिक विकसित और सुखद होगा। UNCRPD के अनुच्छेद 24 के अनुसार शिक्षा प्रणाली सभी स्तरों पर समावेशी होनी चाहिए यह दिव्यांग बच्चों एवं वयस्कों को प्रोत्साहित करता है जो बचपन में इनका लाभ नहीं ले पाए थे। दिव्यांग बच्चों को मुफ्त गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक शिक्षा देनी चाहिए।

दिव्यांगजनों को सशक्त बना कर, उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ कर उनके अंदर कुछ कर दिखाने का आत्मविश्वास जगा कर, उन्हें आत्मनिर्भर बना कर ही हम एक समृद्ध एवं सकारात्मक समाज का निर्माण कर सकते है। हमें अन्य सभी लोगों को भी एक सकारात्मक पहल के लिए प्रेरित करना चाहिए क्योंकि एक छोटी सी सकारात्मक पहल किसी का जीवन बदल सकती है।

वसुंधरा के मुख्य लक्ष्य :

- समाज के प्रत्येक वर्ग को समान स्वास्थ्य, शिक्षा, समस्त दिव्यांगजन शिक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना ।
- समाज के वंचित वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए, सरकार द्वारा चलाई जा रही विभित्र कल्याणकारी योजनाओं तक पहुँच बनाना ।
- पर्यावरण सुरक्षा, स्वच्छता सुरक्षा और गुणवत्ता, स्थिर लाभदायी और जैविक कृषि, जैव विविधता एवं पशु कल्याण से जुड़ी परियोजनाओं का संचालन एवं प्रबंधन करना ।
- राष्ट्र में सामाजिक, धार्मिक व सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हुए देश के प्रत्येक नागरिक को अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करना ।
- विभिन्न विकास योजनाओं से जुड़े विषयों पर क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- दिव्यांगजन व्यावहारिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक इत्यादि जीवन के विविध क्षेत्रों में समरसता कार्यक्रम आयोजित करना।
- स्वावलम्बन, आत्मसम्मान तथा गरिमा के साथ जीवनयापन करने हेतु सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना।

नशे की लत के कारण, प्रभाव और उपचार

डॉ. मनीष बौरासी एवं ऐश्वर्या पंडित

वरिष्ठ मनोचिकित्सक एवं नशा मुक्ती विशेषज्ञ साइक्ल जिस्ट, सेरेनिटी न्यूरोसाइकियाट्री क्लिनिक, भोपाल

व्यसन या लत को किसी पदार्थ या गतिविधि पर शारीरिक या मनोवैज्ञानिक निर्भरता के रूप में परिभाषित किया जाता है,जिसके परिणामस्वरूप बाध्यकारी व्यवहार होता है। शराब, ड्रग्स, जुआ, सेक्स और बहुत कुछ सहित विभिन्न प्रकार के व्यसन हैं। व्यसन की निर्भरता में शारीरिक निर्भरता (जहां शरीर को सामान्य रूप से कार्य करने के लिए पदार्थ की आवश्यकता होती है) एवं मनोवैज्ञानिक निर्भरता (जहां अक्सर पदार्थ से भावनात्मक लगाव होता है) शामिल हैं। भारतीय युवाओं में सबसे अधिक पाए जाने वाले व्यसन शराब, तंबाकू और भांग हैं।

शराब की लत के आँकड़े – शराब की लत एक महामारी है जो पूरे भारत में और खासकर युवाओं में फैल रही है। शराब की लत भारतीय युवाओं में सबसे आम व्यसनों में से एक है। यह समस्या इतनी गंभीर है कि यह देश में एक प्रमुख सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन गई है। मैग्नीट्यूड ऑफ सब्सटेंस यूज इन इंडिया (2019) के अनुसार, भारत में अनुमानित लगभग 14.6 प्रतिशत (16 करोड़) आबादी 10 से 75 वर्ष आयु के बीच शराब उपयोगकर्ताओं में शामिल हैं जिनमें से अनुमानित लगभग 5.7 करोड़ भारतीय जनसंख्या शराब के हानिकारक उपयोग से ग्रसित हैं और लगभग 2.9 करोड़ भारतीय शराब पर निर्भरता से प्रभावित है। सबसे अधिक शराब के उपयोग का प्रचलित दर छत्तीसगढ़, त्रिपुरा, पंजाब, अरुणाचल प्रदेश और गोवा में हैं।

बच्चे एवं युवाओं का मादक द्रव्यों के सेवन में लिप्त होने का कारण – भारतीय युवाओं में शराब की लत की समस्या को समझने के लिए, शराब की लत में योगदान देने वाले कारणों और जोखिम कारकों को सबसे पहले पहचानना आवश्यक है।

शराब की लत/व्यसन के कारण होने वाली समस्या – शराब की लत एक प्रमुख स्वास्थ्य चिंता है जो न केवल किसी व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती है।

शारीरिक समस्या – लंबे समय तक शराब के उपयोग करने से लिवर की समस्या, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप जैसी गम्भीर समस्याएं हो सकती है एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है जिससे कई बीमारियों के होने की संभावना बढ़ती है। यह कुछ प्रकार के कैंसर जैसे लिवर कैंसर, स्तन कैंसर और मुँह के कैंसर के विकास के खतरे को भी बढ़ा सकता हैं।

मानसिक एवं व्यावहारिक विकार – शराब की लत से जूझने वाले व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धित समस्याएं जैसे दुश्चिंता विकार/ चिंता (Anxiety disorder), अवसाद (Depression) एवं मनोदशा संबन्धित विकार (Mood related disorder) भी आम हैं।

सामाजिक समस्या – शराब की लत से किसी व्यक्ति का व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन भी महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित होता है, स्वास्थ्य परिणामों के अलावा शराब का उपयोग बड़े पैमाने पर महत्त्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक नुकसान का कारण है।

शराब की लत के उपचार के विकल्प – यह ध्यान रखते हुए कि शराब की लत एक गंभीर समस्या है जिसके लिए पेशेवर मदद या प्रोफेशनल हेल्प की आवश्यकता होती है। भारत में शराब की लत के लिए कई उपचार विकल्प उपलब्ध हैं।

रोगी पुनर्वास केंद्र (Inpatient rehabilitation centers) भी उपलब्ध हैं, जहां व्यक्ति नियंत्रित वातावरण में चौबीसों घंटे देखभाल और सहायता प्राप्त कर सकते हैं। ये केंद्र अक्सर व्यक्तियों को उनकी लत पर काबू पाने और स्वस्थ जीवन शैली विकसित करने में मदद करने के लिए कई प्रकार की चिकित्सा और गतिविधियाँ प्रदान करते हैं।

अल्कोहलिक्स एनोनिमस (AA) जैसे स्व सहायता समूह भी भारत में उपलब्ध हैं। ये समूह व्यसन से जूझ रहे व्यक्तियों के लिए एक सहायक समुदाय प्रदान करते हैं और अक्सर व्यक्तियों को उनकी लत पर काबू पाने में मदद करने के लिए 12–चरणीय कार्यक्रम शामिल करते हैं।

वसुंधरा द्वारा नशा मुक्ति अभियान हेतु जनजाग्रति कार्यक्रम

आधी आबादी के लिए प्रतिबद्ध सरकार, महिला सशक्तिकरण से सपने हो रहे साकार

श्री दिनेश बर्फा (जिला प्रोग्राम मेनेजर – राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन सीहोर)

किसी भी बेहतर परिवार व समाज का निर्माण तभी संभव है, जब वहां की महिलाएं आत्मनिर्भर, सशक्त और खुद से निर्णय लेने में सक्षम हो। वर्तमान परिदृश्य में महिला सशक्तिकरण इसलिए भी आवश्यक और प्रासांगिक हो जाता है क्योंकि ये महिलाएं देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती हैं। ऐसे में इस वर्ग का सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक समावेशन जरूरी हो जाता है। महिलाओं को हमारे देश में प्राचीन काल से ही पूजा जाता है। तभी तो कहा गया है "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता:" यानी जहां स्त्रियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी भी कहते हैं कि मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– गरीब, मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– युवा, मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– महिलाएं, मेरे लिए सबसे बड़ी जाति है– किसान इन चार जातियों का उत्थान ही भारत को विकसित बनाएगा. सरकार इन वर्गों के लिए कृत संकल्पित होकर कार्य कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नारीशक्ति का सशक्तिकरण हो रहा है। पिछले लगभग एक दशक में महिला स्व सहायता समूह एक क्रांति के रूप में उभर कर सामने आए हैं। गरीब ग्रामीणों के जीवन में एक नई ऊर्जा और विश्वास का संचार हुआ है, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्तिकरण हो रहा है। डिजिटल इंडिया से लेकर मेक इन इंडिया तक, कृषि क्षेत्र में नवाचार से लेकर सरकार की विभिन्न योजनाएं धरातल पर बेहतर व सुनियोजित ढंग से क्रियान्वित हो रही हैं। वही ऐसी योजनाएं जो कालांतर में मृत प्राय: हो गयी थीं, उनको पुनर्जीवित किया गया है। अब ग्रामीण भारत में पंचायत स्तर पर गरीब व जरूरतमंद महिलाओं के समूहों द्वारा डिजिटल दीदी, बैंक सखी, डिजिटल लेनदेन सखी, कृषि सखी, पशु सखी, ड्रोन दीदी, उद्यम सखी, जेंडर– पोषण एवं समता दीदी जैसे कई मजबूत कैडर के साथ 10 करोड़ से अधिक परिवारों को सामाजिक रूप से समावेशित किया गया है। इनको बैंकों से जोड़कर स्वावलंबी बनाने का कार्य किया गया है, इन परिवारों को स्थाई आजीविका के लिए प्रतिवर्ष बैंकों से लगभग 50000 करोड़ से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कार्य में भी महिलाओं ने नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए स्वयं की बचत में वृद्धि के साथ ही परिवार के लिए वित्तीय आधार स्तंभ के रूप में उभरी है। बैंकों से लिए गए ऋण को समय पर चुकाया गया है। आज छोटे–छोटे लघु एवं कुटीर उद्योग, प्रसंस्करण इकाइयां, व्यवसायिक प्रशिक्षण के संस्थान आदि महिलाओं को निरंतर सहयोग करते हुए उन्हें आगे बढ़ा रहे हैं, महिलाओं के हुनर एवं कौशल की मिसाल सीमित न होकर देश व प्रदेश स्तर पर मानी जा रही है, आज महिलाओं का उद्यम व व्यवसाय क्षेत्र में चहुंमुखी विकास उनके सर्वांगीण विकास को चरितार्थ कर रहा है ।

जीवन में खेलों का महत्व

शैलेंद्र सिंह चंदेल जिला उपाध्यक्ष सक्षम, सीहोर (म.प्र.)

मनुष्य के जीवन में खेलों का महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन काल में ही मनुष्य घुड़सवारी, कुश्ती, मलखंब आदि खेलों से जुड़ा रहा है। फिर अनेक नए खेलों की खोज हुई । खेलों से शारीरिक तथा मानसिक विकास होता है। आज के युग में विज्ञान के आविष्कारों ने मनुष्य के कार्यों को आसान बनाया, परन्तु कार, मोटरसाइकिल, टीवी, कम्प्यूटर, मोबाइल और लैपटॉप आदि ने मनुष्य की शारीरिक गतिविधियों में कमी उत्पन कर दी है। शारीरिक गतिविधि की कमी तथा संतुलित आहार न ले सकने के परिणाम स्वरूप लोग कई बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। पुराने समय में एक कहावत प्रचलित है स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। जिसे अधिकतर लोग भूल चुके हैं स्वस्थ रहने के लिए खेल बहुत जरूरी है। खेलों से हमारा शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य ठीक रहता है। सामूहिकता की भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। मन एकाग्र होता है। स्मरण शक्ति एवं लगनशीलता में वृद्धि होती है। तनाव एवं चिंताएं दूर होती है। पाचन शक्ति अच्छी रहती है। रक्त संचार उत्तम रहता है, हृदय रोग और मधुमेह जैसे कई रोग हमे से दूर रहते हैं। दीर्घायु की प्राप्ति होती है।

अत: मनुष्य को अपनी रुचि अनुसार खेल का चयन कर प्रतिदिन खेल से जुड़ा रहना चाहिए ।

वसुंधरा विशेष विद्यालय एक परिचय

अंजना राठौर, स्पेशल एजुकेटर (वसुंधरा विशेष विद्यालय, ब्रह्मपुरी कॉलोनी, सीहोर)

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित वसुंधरा विशेष विद्यालय जो ब्रह्मपुरी कालोनी, बिलकिसगंज रोड,सीहोर में स्थित है। वसुंधरा ऐसा स्कूल जो दिव्यांग बच्चों को नया हौसला व नई दिशा दे रहा है। वसुंधरा विद्यालय वर्ष 2022 से दिव्यांग बच्चों में गजब का आत्मविश्वास पैदा कर रहा है। वसुंधरा दिव्यांगजनों की सेवा ईश्वर की सेवा मानकर बौद्धिक रूप से दिव्याँग बच्चों के पुनर्वास और विकास के लिए विशेष विद्यालय चला रहा है, जिसमें प्रशिक्षित और अनुभवी कार्यकर्ता हैं, जो विशेष शिक्षा (बौद्धिक रूप से दिव्यांग) में अच्छी तरह से योग्य हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष शिक्षा, व्यवहार संशोधन, फिजियोथेरेपी, भाषण चिकित्सा, संगीत और योग चिकित्सा प्रदान करना है। इस विशेष विद्यालय का उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास भरना है, उन्हें यह एहसास दिलाना है कि वे काफी कुशल हैं और समाज में अपने आयु वर्ग और उससे अधिक आयु के सामान्य बच्चों की तुलना में अधिक आत्मविश्वास के साथ अपनी दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। विद्यार्थियों को विशेष शिक्षण एवं अधिगम सामग्री (टीएलएम) खिलौने और खेल के साथ योग, ध्यान, थैरेपी, ऑक्युपेशनल थैरेपी खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और दिव्यांगता प्रमाण पत्र, UDID कार्ड, पेंशन, रेल्वे पास बनवाने हेतु अभिभावकों को विशेष मार्गदर्शन भी दिया जाता है संस्था द्वारा विद्यार्थियों को वोकेशनल ट्रेनिंग भी दी जाती है। दिव्यांगो को आजीविका चलाने व आत्मनिर्भर बनाने के गुर सिखाए जाते है। जिसका मुख्य उद्देश्य इन दिव्यांग विद्यार्थियों में हुनर विकसित कर एम्पलोयमेंट काउंसलिंग के जरिये इनको रोजगार से जोड़ना होता है जिससे की यह आत्मनिर्भर बन कर समाज की मुख्य धारा से जुड़ सके और परिवार पर आश्रित ना होकर परिवार का सहारा बन सके।

बस में समाज के सभी महानुभावों से ये कहना चाहती हूँ की दिव्यांगजनों की सेवा करे उन्हें सहानुभूति नहीं दें उन्हें अवसर प्रदान करे जिससे वे समाज में कदम से कदम मिलाकर चल सके।

जिद हो तो ऐसी

कुमारी महक राय, वॉलंटियर – वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर

मेरा नाम महक राय है मैं राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास संस्थान, सीहोर की एक छात्रा हूं और मैं वॉलंटियर के रूप में वसुंधरा में अपनी सेवा दे रही हूं। आज मैं आप सबके बीच एक संघर्षशील महिला की कहानी बताने जा रही हूं जिसका नाम अरुणिमा सिन्हा है। अरुणिमा सिन्हा माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली दुनिया की पहली दिव्यांग महिला हैं अरुणिमा सिन्हा का जन्म उत्तर प्रदेश के लखनऊ के पास अंबेडकर नगर में हुआ था। उनके पिता भारतीय सेना में थे और मां स्वास्थ्य विभाग में सुपरवाइज़र थीं। अरुणिमा राष्ट्रीय स्तर की वॉलीबॉल खिलाड़ी थीं। वह अर्धसैनिक बलों में शामिल होना चाहती थीं और उन्हें CISF से कॉल लेटर मिला था। 11 अप्रैल, 2011 को सीआईएसएफ़ की परीक्षा में शामिल होने के लिए पद्मावती एक्सप्रेस से लखनऊ से दिल्ली जा रही थीं, तभी उन पर लूट का हमला हुआ। बदमाशों ने उनका बैग छीन लिया और उन्हें चलती ट्रेन से बाहर धकेल दिया। इस हादसे में उनका बायां पैर कट गया। वे एक भारतीय पर्वतारोही और पूर्व वालीबॉल खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 21 मई, 2013 को माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी अरुणिमा ने सात महाद्वीपों की सात सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की है उन्होंने 1 जनवरी, 2019 को अंटार्कटिका की सबसे ऊंची चोटी माउंट विंसन पर चढ़ाई की थी। अरुणिमा ने पर्वतारोहण के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए साल 2015 में भारत के राष्ट्रपति ने उन्हें 'पद्मश्री' से सम्मानित किया। अरुणिमा ने लखनऊ में 120 दिव्यांग बच्चों को गोद लिया है और उनकी मदद कर रही हैं। अरुणिमा की इच्छा दिव्यांग लोगों के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय खेल अकादमी की स्थापना करने की है अरुणिमा सिन्हा के कुछ शब्द "इंसान शरीर से दिव्यांग नहीं होता बल्कि मानसिकता से दिव्यांग होता है''। किसी की परवाह किए बगैर मैंने अपने आपको समझाया कि मैं चल सकती हूं। "दुनिया को सिर्फ़ यह बताना चाहती हूँ कि अगर कोई शख़्स लक्ष्य हासिल करने की ठान ले, तो कोई बाधा उसे नहीं रोक सकती''।

दिव्यांग बच्चों के प्रति समाज के दायित्व और कर्तव्य

श्रीमती सुनीता सोनी, सहयोगी वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन

दिव्यांग बच्चों और किसी भी व्यक्ति के प्रति हमारे समाज के कर्तव्य और और दायित्व क्या है। हमें इस पर बारे पर विचार करना चाहिए एक इंसान होने के नाते हमारा दायित्व तो बनता है कि हम दिव्यांग की मदद करें उन्हें जो कार्य करने में परेशानी है। हमें उनकी सहायता करनी चाहिए दिव्यांग कोई भी हो सकता है यह भी समाज के हिस्से है। भगवान ने भले इन्हें दिव्यांग बनाया ,किंतु वह भी एक इंसान है और हर दिव्यांग को ईश्वर किसी न किसी एक विशेष प्रतिभा से जरूर नवाजता है। कहते हैं ना अगर ईश्वर ने अगर कुछ कमी रखी है तो कुछ ना कोई विशेष जरूर दिया होगा, किसी भी दिव्यांग को हमें यह एहसास नहीं करना चाहिए कि वह आमजन से किसी प्रकार से अलग है। वसुंधरा फाउंडेशन का उद्देश्य दिव्यांगजनों को मानसिक रूप से सबल बनाना तथा अन्य लोगों में उनके प्रति सहयोग की भावना का विकास करना है। मेडिकल रूप से कभी–कभी किसी व्यक्ति के विशेष अंगों में दोष उत्पन्न हो जाता है। जिसकी वजह से उन्हें समाज दिव्यांग की संज्ञा दे देता है, एक विशेष वर्ग के सदस्य के दौर के रूप में देखा जाता आज देश वैज्ञानिक दृष्टि से बहुत अत्यंत तरक्की के रास्ते पर जा चुका है, लेकिन आज भी हम देखते हैं कि दिव्यांग को एक दयनीय स्थिति के रूप में ही देखा जाता है। आज भी यह हर दृष्टि से अपेक्षा के शिकार होता है उन्हें सहयोग और मजाक का पात्र अधिक बनाया जाता है। जबकि दूसरे तरफ विदेश में दिव्यांगों के लिए बीमा तक की व्यवस्था है उन्हें हर संभव मदद मिल जाती, जबकि भारत में ऐसा कुछ नहीं है। आज समाज के लोगों को अधिक से अधिक कर्तव्य है, की हमें ध्यान देना जरूरी यह है कि दिव्यांगजनों के शिक्षा स्वास्थ्य और संसाधन के साथ उपलब्ध अवसरों तक पहुंचाने की सुलह व्यवस्था हो जबकि यह देखा जा रहा है कि दिव्यांगों को दी जाने वाली पेंशन में भी राज्यवार भेदभाव किया जाता है और इस राशि को प्राप्त करने के लिए परिश्रम करना होता है, जबकि दिव्यांग बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमें उन्हें निःशुल्क सहायक उपकरण दिए जाना चाहिए। जिससे सभी बच्चों में उपकरण पाकर खुशी की महक चारों ओर जब फैल जाए। कोई भी दिव्यांग अपने को निराश्रित नहीं समझेगा, विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों के विकास में समाज की भूमिका अत्यंत महत्पूर्ण होती है। समाज का नजरिया से भी प्रभावित होता है। समाज में ऐसे बालकों को उनके अपंगता के आधार पर एक विशेष नाम भी दिया जाता है और उनकी कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

महिलाओं की सुरक्षा और संरक्षण एक सामाजिक जिम्मेदारी

अंजली सराफ धामनोद, जिला धार म.प्र. (सहसचिव –वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन)

महिला सशक्तिकरण का तात्पर्य महिलाओं को उनके अधिकार, स्वतंत्रता, और समान अवसर प्रदान करने से है, ताकि वे समाज में आत्मनिर्भर और प्रभावशाली भूमिका निभा सकें। यह न केवल व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है बल्कि समाज के समग्र उत्थान के लिए भी आवश्यक है। सशक्तिकरण के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और पेशेवर विकास के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर रही हैं, जैसे कि शिक्षा, राजनीति, विज्ञान, और समाज सेवा। उदाहरण के लिये आदरणीया द्रौपदी मुर्मू जी – भारत की पहली आदिवासी राष्ट्रपति और समाज के सभी वर्गों के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं आदरणीया कल्पना चावला – अंतरिक्ष यात्री और अमेरिका की स्पेस शटल मिशन की सदस्य रही है। आदरणीया सुष्मिता सेन जी – मिस यूनिवर्स और समाज सेवा में सक्रिय रही, आदरणीया मनु भाकर – युवा शूटिंग खिलाड़ी, जिसने अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारत का नाम रोशन किया है ।

महिला सशक्तिकरण के लिए किए जाने वाले प्रयास : महिला सशक्तिकरण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा सकते हैं। ये प्रयास समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने और उन्हें समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से किए जाते हैं।

1. शिक्षा का प्रचार : महिलाओं के लिए शिक्षा की पहुंच को बढ़ाना और उनकी शिक्षा के स्तर को सुधारना आवश्यक है।
2. स्वास्थ्य देखभाल : महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना महत्वपूर्ण है।
3. आर्थिक अवसर : महिलाओं को पेशेवर अवसर और उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्वरोजगार और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकती हैं।
4. कानूनी सुरक्षा : महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भेदभाव को रोकने के लिए कड़े कानून और नीतियों को लागू करना जरूरी है।
5. सामाजिक जागरूकता : समाज में महिलाओं के अधिकारों और समानता के प्रति जागरूकता फैलाना चाहिए।
6. सुविधाओं की उपलब्धता : महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवहन, कामकाजी वातावरण, और अन्य सामाजिक सुविधाओं की उपलब्धता को बढ़ाना आवश्यक है।

मध्य प्रदेश बन सकता है भविष्य का शीर्ष गन्ना उत्पादक राज्य

श्री एम.डी.पाराशर (पूर्व सीजीएम शुगर फैक्ट्री व संचालक मध्यांचल किसान उद्योग लिमिटेड)

भारत सरकार द्वारा शक्कर कारखानों में एथेनॉल उत्पादन की अनुमति देने व एथेनॉल की खरीदी ऑयल कम्पनीज द्वारा करना सुनिश्चित होने से शक्कर कारखानों में हानि की सम्भावनाएँ समाप्त हो गई हैं। अभी तक गन्ने से केवल गुड़ या शक्कर बनाने का ही विकल्प था। गुड़, शक्कर की खपत की सीमा है, खपत से अधिक पैदावार होने पर भाव गिर जाते थे। गिरे हुए भावों पर गन्ना मूल्य की भी भरपाई नहीं होती है। अतः किसानों का गन्ना मूल्य शेष रहने की खबरें हमेशा रहती है। परन्तु अब गन्ने से एथेनॉल बनने के कारण उपरोक्त सभी समस्याएं समाप्त हो गई हैं। अभी भारत सरकार ने पेट्रोल में दस प्रतिशत एथेनॉल ब्लेंडिंग की अनुमति दी है जिसमें से 8 प्रतिशत ही हो पा रही है दो प्रतिशत अभी भी कम है। ब्राजील में 27 प्रतिशत ब्लेंडिंग की अनुमति है वहाँ 50 प्रतिशत से अधिक गन्ने का उपयोग एथेनॉल बनाने में किया जाता है। वर्तमान में शक्कर कारखानों में न केवल शक्कर बनती है बल्कि एथेनॉल, पावर, बायो फर्टिलायजर, सीबीजी/बायोगैस भी बनती है। पशु आहार व कार्ड बोर्ड बनाने के लिये भी इनके बाईप्रोडक्ट काम आते हैं।उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में वर्षों से बंद कारखानों में उत्पादन प्रारम्भ कराया जा रहा है। महाराष्ट्र में लगभग 20 कारखानों को जो वर्षों से बंद थे, लीज पर देकर उत्पादन कराया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में भी, न केवल सभी बंद कारखानों में उत्पादन को प्रारम्भ कराने का प्रयास किया जा रहा है बल्कि 8 नये कारखाने लगाने का निर्णय राज्य शासन द्वारा लिया गया है। म.प्र. के मुरैना, गुना व अन्य रुग्ण कारखानों को भी महाराष्ट्र की भांति लीज पर देने का निर्णय लिया जाना चाहिये।

मध्य प्रदेश में गन्ना आधारित उद्योगों के विकास के लिये परिस्थितियां अनुकूल है। गन्ना सिंचाई आधारित फसल है। म.प्र. का कुल सिंचित क्षेत्रफल उ.प्र. के बाद दूसरे क्रम में है। मध्य प्रदेश में महाराष्ट्र से लगभग दो गुना से भी अधिक सिंचित कृषि भूमि है। अतः मध्य प्रदेश भविष्य में शक्कर उद्योग का पहले या दूसरे क्रम का राज्य हो सकता है। मध्य प्रदेश में गन्ना फसल महाराष्ट्र के गन्ना क्षेत्रफल की तुलना में 10 प्रतिशत से भी कम है तथा शक्कर उत्पादन 6 प्रतिशत से भी कम है। यहां केवल 18 कारखाने हैं व महाराष्ट्र में 195 कारखाने हैं और इनकी संख्या 210 से भी अधिक होगी। यहां कारखाने 18 हैं परन्तु उत्पादन में यह गुजरात, हरियाणा, बिहार से बहुत पीछे हैं, जहाँ कारखाने संख्या में कम हैं। सिचाई सुविधा व भूमि अनुकूलता को देखते हुए शासकीय पहल की आवश्यकता हैं। मध्य प्रदेश की भूमि भी गन्ना फसल के लिये अनुकूल है। गन्ने से आय अन्य फसलों सोयाबीन, गेंहूँ, सरसों आदि की तुलना में लगभग दोगुनी है।

एक शक्कर कारखाने से प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से 2000 व्यक्तियों को रोजगार मिलता है व नये कारखाने की लागत 100–150 करोड़ है। संस्थागत वित्तीय सहायता या ऋण के अलावा प्रमोटर को 30 से 40 करोड़ ही निवेश करने होते हैं।

प्रदेश में शक्कर उद्योग के विकास के साथ ही शुगर मिल मशीनरी एवं सम्बन्धित रसायन, बारदाना, परिवहन उद्योग से भी रोजगार व समृद्धि बढ़ेगी। गन्ना अनुसंधान केन्द्रों की भी आवश्यकता होगी जिससे संस्थान की स्थापना और रोजगार बढ़ेगा। शक्कर उद्योग ग्रामीण क्षेत्रों के लिये शिक्षा, चिकित्सा केन्द्र भी विकसित करने में सरकार की मदद करेगी। शक्कर उद्योग के गोदाम व खाली भूमि सोलर संयंत्र लगाकर सोलर ऐनर्जी के व्यवसाय में भी सहायक हो सकते हैं। शक्कर उद्योग के परिसर में अन्य कृषि उत्पादों के प्रसंस्करणों की इकाईयाँ भी लगाई जा सकती हैं। शक्कर कारखानों को कृषि उत्पादनों के प्रसंस्करण उद्योग के लिये औद्योगिक पार्क के रूप में भी विकसित किया जा सकता है।

वसुंधरा द्वारा जिला शाजापुर,बड़वानी, मंदसौर, हरदा, शिवपुरी और भिण्ड म.प्र. में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंर्तगत ड्रीप व स्प्रिंकलर सिस्टम के हितग्राहियों का सामाजिक आर्थिक सर्वे एवं सिंचाई संयंत्रों का भौतिक सत्यापन

आधुनिक तकनीकें दिव्यांगजनों को बनाएगी आत्मनिर्भर

शिवम पोरवाल, अहमदाबाद, गुजरात (Founder, Experts Mania)

प्रिय साथियों दुनिया में कोई भी बाधा तब तक बड़ी नहीं होती, जब तक हम उसे पार करने का हौसला रखते हैं। सही उपकरण और सही मार्गदर्शन आपके जीवन को एक नई दिशा दे सकते हैं। मैंने अपने जीवन में सीखा है कि एक छोटी–सी मदद, एक सही निर्णय, और एक सही अवसर दिव्यांग व्यक्ति के जीवन में चमत्कार कर सकते हैं। जिस तरह मेरे जीवन में स्कूटर ने मुझे मेरी स्वतंत्रता दी, उसी तरह आज की तकनीक और संसाधन आप सभी के जीवन को बदल सकते हैं। आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहाँ इंटरनेट, वर्क फ्रॉम होम, और ऑनलाइन शिक्षा ने हमें यह शक्ति दी है कि हम किसी भी जगह से काम कर सकते हैं, कुछ भी सीख सकते हैं। यूट्यूब और अन्य ऑनलाइन संसाधनों ने पूरी दुनिया की शिक्षा और स्किल्स को हमारी उंगलियों पर ला दिया है। अब वह दिन चले गए जब हमें कहीं जाकर सीखना पड़ता था; अब एक क्लिक से आप अपनी पूरी दुनिया बदल सकते हैं। शिक्षा से भी ज़्यादा ज़रूरी है स्किल्स। हममें से हर व्यक्ति के पास अद्वितीय कौशल होते हैं जो हमें आत्मनिर्भर बना सकते हैं। सही स्किल्स का विकास न केवल हमें समाज में अपनी जगह बनाने में मदद करता है, बल्कि हमें अपने लिए और दूसरों के लिए नए रोजगार के अवसर पैदा करने का भी मौका देता है। आज की नई तकनीकों ने दिव्यांगजनों के लिए अवसरों के अनगिनत दरवाजे खोल दिए हैं। चाहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन, या बिग डेटा हो, इन सभी क्षेत्रों में संभावनाएँ असीमित हैं। मुझे आज यह महसूस होता है कि हमारे लिए सिर्फ नौकरी करना ही लक्ष्य नहीं होना चाहिए। रोजगार सृजन पर अधिक ध्यान देना चाहिए। हम अपने स्किल्स और तकनीक का उपयोग करके न केवल खुद को आत्मनिर्भर बना सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी साथ लेकर चल सकते हैं, और यही असली आत्मनिर्भरता की दिशा में सबसे बड़ी उपलब्धि होती है। वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन जो कार्य कर रही है, वह अत्यंत सराहनीय है। यह फाउंडेशन विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा, थेरेपी, और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में मदद कर रही है। उनका उद्देश्य केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि इन बच्चों को समाज में सम्मान के साथ स्थान दिलाने का है। यह प्रयास समाज को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दृढ़ संकल्प और सही दिशा से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। जब सही अवसर मिलते हैं और उन्हें पाने का साहस होता है, तब हम अपनी सीमाओं से बाहर निकल सकते हैं। आज का दौर हमारे लिए असीमित अवसर लेकर आया है, और हमें इनका सही ढंग से उपयोग करना है। अगर कभी आप खुद को कमजोर महसूस करें या कठिनाइयों से घिरा पाएं, तो यह याद रखें कि यह वक्त भी गुजर जाएगा। आपके सपने और आपकी मेहनत एक दिन जरूर रंग लाएगी। आपके पास दुनिया बदलने की शक्ति है, बस आपको खुद पर भरोसा रखना होगा। अंत में, मैं बस इतना ही कहना चाहूँगा: "अपना लिया जो तूने, अपने आप को, तेरे सितारे यूं ही चमक जाएंगे, बन कर तो देख उम्मीद, किसी के दिल की, हर सवेरे तेरे रौशन हो जाएंगे!"

A Foundation for a Prosperous Future

Dr. Archana J. , Life coach | Hypnotherapist | NLP Expert | YouTuber

"When you empower a woman, you empower a community." This principle holds true globally, as the empowerment of women is crucial for unlocking a prosperous and sustainable future. According to the World Bank, women's labour force participation could boost global GDP by 11%. Women's empowerment extends beyond equal rights; it involves providing them with access to education, healthcare, and economic opportunities. Studies show that when women have financial independence, they reinvest 90% of their income into their families and communities, fostering broader social progress. By giving women, the tools, resources, and platforms to influence their lives and society, we not only uplift individuals but entire nations.

Nelson Mandela once said, "Freedom cannot be achieved unless the women have been emancipated from all forms of oppression." Education, economic participation, and leadership opportunities for women are the cornerstones of a thriving society. By empowering women, we tap into a reservoir of potential that benefits families, communities, and economies. According to the United Nations, gender equality in the workforce could add $28 trillion to global GDP by 2025. This highlights how vital women's contributions are to economic growth.

आदर्श कृषि सूत्र

डॉ. कृष्ण कुमार नेमा निर्झर सेवानिवृत्त कृषि कीट वैज्ञानिक, सीहोर (मध्यप्रदेश)

आज की कृषि पहले जैसी नहीं रही। इसमें आमूलचूल परिवर्तन आ गए हैं। "खेती आप सेती" "डाल का चूका बंदर और आषाढ़ का चूका किसान कभी नहीं पनपते " जैसी कहावतों का महत्व समझना होगा । में दूसरी कहावत में जोड़ना चाहता हूँ कि समय का चूका किसान कभी नहीं पनपता . स्पष्ट है कि जो आमूल चूल परिवर्तन खेती किसानी में हुए हैं उनका पालन जो किसान करेगा वह ही प्रगति करेगा . मैं कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं को पुनः आपके सम्मुख रखना चाहता हूं।

1. बोनी पूर्व तैयारियां : ये कार्य फसल कटाई के बाद विभिन्न चरणों में किये जाते हैं। सबसे पहले फसल अवशेष का उचित निष्पादन किया जाय जिससे कई रोग व कीटों के जीवन चक्र में अवरोध पैदा हो। उसके बाद प्रति तीन वर्ष में मिट्टी पलटने वाले यंत्र (उवनसक इवंतक चसवनही) से खेत की मिट्टी पलटी जाय इससे भी कई रोगों व कीटो से मुक्ति मिलेगी।

2. बोनी /नर्सरी आदि के कार्य : बोनी के लिए नई किस्मों के बीज का प्रबंध किया जाय 10–15 वर्ष पुरानी किस्मों के एवज में अधिक उपज, रोगों व कीटों से कम प्रभावित होने वाली किस्मों के चयन करें, अपनी आवश्यकता के हिसाब से किस्मों को लें, इसी तरह, धान, सब्जियों, पुष्पों आदि के लिये वैज्ञानिकों के अनुसार उचित नर्सरी तैयार करें।

3. बीजों व भूमि में आवश्यक उपचार करें : यदि कहीं पर दीमक ,उखटा आदि की समस्या है तो जैविक /रासायनिक उपायों का उपयोग करते हुए खेतों में बोनी करें अलग अलग फसलों में धान्य, दलहन, सब्जियों, कंद, गन्ना, कपास आदि के लिए जो बीजों उपचार की विशेष विधियां/रसायन प्रयुक्त होते हैं ।

4. कीटों व रोगों के प्रबंधन पर भी नजर रखें : समय पर उपाय करने से कम खर्च व कम समय में संतोषजनक परिणाम मिलते हैं। जहां तक संभव हो समन्वित रोग। कीट प्रबंधन विधियों को अपनाएं।

5. उत्पादन का परिवहन एवम भंडारण : वर्षा की अनिश्चितता व मौसम को देखते हुए कटाई के बाद शीघ्र खेत खाली करें परन्तु अनाज का पर्याप्त सूखना जरूरी है। भंडार गृह की उचित सफाई, परिवहन के साधन, खलिहान, धातुओं की कोठियां तथा बोरों आदि को कीट की कोई भी अवस्था से मुक्त रखने हेतु अच्छी तरह साफ सफाई जरूरी है।

कविता

आगे बढ़ना है
हिम्मत नहीं हारना बेटा ।
तुम्हें चढ़ाई चढ़ना है ।।
धीरे– धीरे सही परंतु ।
तुमको आगे बढ़ना है ।।
चींटी बार बार गिर चढ़ती।
तुम्हें याद यह रखना है ।।
रात अंधेरी कितनी भी हो।
सूरज को फिर निकलना है।।
मौसम सदा खराब न रहते ।
तुम्हें याद यह रखना है ।।
मत उदास होकर बैठो तुम।
उम्मीद कायम रखना है ।।
तिनकों से बने बड़ा घोंसला ।
तुमको हौसला रखना है ।।
तुम भारत के चांद सितारे ।
तुम्हें ही देश ये गढ़ना है ।।
"निर्झर" खुद पर रखें भरोसा।
बूंदों से सागर भरना है ।।

6. मूल्य संवर्धन (value addition) : अधिक मुनाफा कमाने के हिसाब से मूल उपज का मूल्य संवर्धन अवश्य करें। मूल उपज को उसके कई द्वितीयक उपयोगी स्वरूपों में लाकर अच्छा धन उपार्जित किया जा सकता है ।

7. जैविक/प्राकृतिक खेती : जिन पेड़ पौधों से हम कोई उत्पाद (जैसे दश पर्णी अर्क, नीमार्क, नीमास्त्र, बीजमृत, जीवामृत आदि आदि) तैयार करते हैं तो सबसे पहले उन वानस्पतिक पौधों की बड़े पैमाने पर खेती की जाय, उसे कठोर नियम बनाकर पालन कराया जाए। अन्यथा एक दिन तुलसी, आक, धतूरा आदि के दर्शन दुर्लभ हो जाएंगे।

जहां पर जैविक खेती हो ,केंचुआ खाद आदि का प्रयोग हो वहां पर कोई भी कृषि यंत्र का प्रवेश संक्रमित रूप में वर्जित हो।

8. अत्याधुनिक विविध कृषि आयाम : निरंतर बढ़ती हुई जनसंख्या, शिशु व बुजुर्गों की मृत्यु दर में कमी तथा खेती लायक जमीन के सीमित होने से हमें खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाना आवश्यक है।

9. मुद्दे की बात : मैं उत्पादन को दो गुने करने के मुद्दे से सहमत तो हूँ परंतु कुछ और भी कहना चाहता हूं। पहली बात है कि हमारी अज्ञानता, आलस, असावधानी के कारण खेत में ही कीटों ,रोगों , पशु पक्षियों व खरपतवारों आदि के कारण 20 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक क्षति हो जाती है। फिर भंडारण में भी कीटों ,रोगों व चूहों आदि से 7 से 20 प्रतिशत तक हानि होने की सम्भावना रहती है।

दूसरी महत्वपूर्ण बात है कि हमारे यहां शादी ब्याह, तीज त्योहारों, होटलों आदि में अन्न की अनावश्यक बर्बादी होती है। इस बात के पुष्ट आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं परंतु हम और आप इस बात के गवाह जरूर हैं क्योंकि हम हमेशा अपनी आंखों से इसे देखते अवश्य हैं। तो जागिये और जगाइए, अर्थव्यवस्था को सुधारिये और वसुंधरा को सजाइए।

।। जय हिंद , जय भारत।।

शक्तिड्रोन

श्री अतुल कुमार सिंह (प्रबंध निदेशक – एरोकैपिटा डायनामिक्स प्रा. लिमिटेड, भोपाल)

शक्ति ड्रोन, भोपाल, मध्य प्रदेश में एरोकैपिटा डायनामिक्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित किया गया है। यह भारतीय किसानों के लिए खेती को आसान, तेज़ और सुरक्षित बनाने वाला एक क्रांतिकारी उपकरण है। यह कीटनाशकों और उर्वरकों को सही तरीके से छिड़कने में माहिर है। विभिन्न खेतों में गहराई से परीक्षण किए गए शक्ति ड्रोन को भारतीय खेतों में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो किसानों को बेहतर परिणाम सुनिश्चित करता है।

शक्ति ड्रोन की विशेषताएं एवं लाभ

बड़ा टैंक और कवरेज : शक्ति ड्रोन में 10–लीटर का टैंक है, जो एक बार चार्ज पर 3 एकड़ तक के खेत पर छिड़काव कर सकता है। इसका मतलब है कि किसान बार–बार टैंक भरने या ड्रोन को चार्ज करने की चिंता किए बिना बड़े क्षेत्रों पर आसानी से छिड़काव कर सकते हैं, जिससे मेहनत और समय की बचत होती है।

जियो–फेंसिंग : ड्रोन को खेत के एक खास हिस्से में ही काम करने के लिए सेट किया जा सकता है। यह सुनिश्चित करता है कि छिड़काव केवल तय क्षेत्र में हो और फालतू जगह पर रसायन न बर्बाद हो।

अवरोध पहचान : स्मार्ट रडार सिस्टम की मदद से ड्रोन खेत में पेड़, खंभे, या अन्य बाधाओं से खुद को बचा लेता है। यह ड्रोन की सुरक्षा और संचालन को आसान बनाता है।

खेत के हिसाब से ऊंचाई बदलना : ड्रोन खेत के ऊंचे–नीचे हिस्सों के अनुसार अपनी ऊंचाई खुद ही बदल लेता है। यह हर हिस्से में समान और सटीक छिड़काव सुनिश्चित करता है।

ऑटो रिटर्न : अगर बैटरी खत्म होने वाली हो, तो ड्रोन अपने आप शुरुआती स्थान पर लौटकर सुरक्षित लैंड करता है। इससे किसान को ड्रोन की सुरक्षा की चिंता नहीं रहती।

कीटनाशकों की बचत : शक्ति ड्रोन 40 तक कीटनाशकों की खपत कम करता है। इसकी महीन स्प्रे पत्तों के नीचे छिपे कीटों तक भी पहुंचती है, जिससे बेहतर परिणाम मिलते हैं।

पानी और समय की बचत : शक्ति ड्रोन एक एकड़ में केवल 10 लीटर पानी और 6–7 मिनट में छिड़काव करता है, जबकि पारंपरिक विधियों में 150–200 लीटर पानी और 1–2 घंटे लगते हैं।

किसानों की सुरक्षा : ड्रोन से छिड़काव के दौरान किसानों का हानिकारक रसायनों से कोई संपर्क नहीं होता, जिससे उनकी सेहत सुरक्षित रहती है।

"शक्ति ड्रोन के साथ, अपनी खेती को आधुनिक बनाएं और बेहतर भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।"

वसुंधरा द्वारा संचालित व्योमी FPO के कृषकों का ड्रोन उड़ाने (पायलेट) हेतु 4 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण।

'' वृक्षारोपण से हम न केवल पृथ्वी को बचाते हैं, बल्कि जीवन को भी संजीवनी देते हैं। ''

जब इरादे मजबूत होते है

ईश्वर सिंह सिनोरिया, करियर काउंसलर, जीवन कौशल कोच और अंग्रेजी भाषा प्रशिक्षक

जब किसी के इरादे मजबूत होते हैं, तो कोई भी दिव्यांगता या शारीरिक कमी उन्हें अपने लक्ष्य को हासिल करने से रोक नहीं सकती। शारीरिक सीमाओं के बावजूद भी, मनोबल और साहस से बड़ी–बड़ी मुश्किलें पार की जा सकती हैं। दिव्यांगता सिर्फ शारीरिक नहीं, मानसिक भी हो सकती है। अगर हम मानसिक रूप से दृढ़ और सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तो हम किसी भी परिस्थिति से उबर सकते हैं। कई महान व्यक्तित्वों ने यह साबित किया है कि जीवन में सफलता पाने के लिए शारीरिक क्षमता से ज्यादा जरूरी मानसिक शक्ति है। इसलिए, चाहे शारीरिक दिव्यांगता हो या जीवन की अन्य कठिनाइयाँ, अगर आत्मविश्वास और मेहनत से काम किया जाए तो कोई भी रुकावट असंभव नहीं होती।

दिव्यांग व्यक्तियों की सफलता की कई प्रेरणादायक कहानियाँ हैं जिन्होंने अपनी कठिनाइयों के बावजूद समाज में अद्वितीय सफलता हासिल की है। ये लोग न केवल अपनी शारीरिक बाधाओं को पार करने में सफल हुए हैं, बल्कि उन्होंने पूरे समाज के लिए एक मिसाल भी पेश की है।

1. **हॉकिंग :** स्टीफन हॉकिंग, ब्रिटीश सैद्धांतिक भौतिक, जिन्हें मोटर न्यूरॉन रोग (ALS) था, वे अपने शरीर के लगभग सारे हिस्सों को नियंत्रित करने में असमर्थ थे, लेकिन उनके दिमागी क्षमता में कोई कमी नहीं आई। हॉकिंग ने *A Brief History of Time* जैसी किताबें लिखीं और ब्लैक होल और सापेक्षता के सिद्धांतों पर महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका जीवन यह सिद्ध करता है कि शारीरिक समस्याएं मानसिक क्षमताओं को सीमित नहीं कर सकतीं।
2. **मनोहर कुमावत :** एक दृष्टिहीन व्यक्ति, जो अपने जन्म से ही आँखों से देख नहीं सकते थे, लेकिन उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी UPSC (संघ लोक सेवा आयोग) की परीक्षा पास की और एक आईएएस अधिकारी बने। उनका उदाहरण यह दर्शाता है कि अगर दृढ़ संकल्प हो, तो किसी भी कठिनाई को पार किया जा सकता है।
3. **दीपा मलिक :** भारत की एक प्रसिद्ध पैरेलंपिक एथलीट हैं। उन्हें रीढ़ की हड्डी में एक गंभीर समस्या थी, जिसके कारण वे चलने–फिरने में सक्षम नहीं थीं। लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और खेलों में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार जीते।
4. **सुहास यादव :** उन्हें जन्म से ही पोलियो था, लेकिन उन्होंने अपनी कठिनाई को कभी भी अपने सपनों की राह में रोड़ा नहीं बनने दिया। सुहास ने 2020 के टोक्यो पैरालंपिक में बैडमिंटन में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। उनका जीवन यह सिखाता है कि अगर कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प हो, तो किसी भी शारीरिक सीमा को पार किया जा सकता है।
5. **लक्ष्मी अग्रवाल :** एक समाजिक कार्यकर्ता और एसिड अटैक सर्वाइवर हैं। उनके साथ जब हमला हुआ था, तो उन्होंने अपनी बाहरी सुंदरता खो दी थी, लेकिन उन्होंने अपने अंदर की ताकत को पहचाना। उन्होंने *Stop Acid Attack* अभियान की शुरुआत की और एसिड अटैक से प्रभावित लोगों के लिए एक आंदोलन खड़ा किया।
6. **संतोष यादव :** जिन्होंने एवरेस्ट की चोटी को दो बार फतह किया, एक दिव्यांग महिला के रूप में भारत का नाम रोशन किया। उन्हें एवरेस्ट के क्षेत्र में उनकी अनूठी उपलब्धियों के लिए बहुत से पुरस्कार मिले। इन सभी दिव्यांग व्यक्तियों ने यह सिद्ध किया है कि किसी भी शारीरिक या मानसिक बाधा के बावजूद, यदि मन में दृढ़ संकल्प हो, तो कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इनकी कहानियाँ न केवल दिव्यांगों के लिए प्रेरणा हैं, बल्कि समाज में हर व्यक्ति को यह सिखाती हैं कि हर किसी के अंदर सफलता की अपार क्षमता है।

टी. बी. को हराने वसुंधरा के स्वयंसेवकों ने लगाई दौड़

फिजियोथैरेपी जिसे हम भौतिक चिकित्सा भी कहते हैं

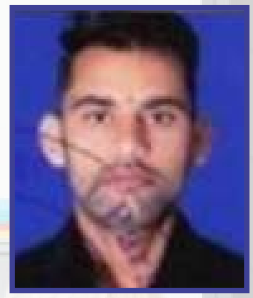

डॉ. महेश शर्मा, शिवेश फिजियोथैरेपी सेन्टर, सीहोर (म.प्र.)

आज के समय में फिजियोथैरेपी चिकित्सा क्षेत्र की उभरती हुई शाखा है जिसने स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए आयाम गढ़ें हैं ।

भौतिक चिकित्सा प्रणाली की अहम बात यह है कि इसमें किसी भी तरह की हानिकारक दवाइयों का उपयोग किए बिना ही व्यायाम एवं कुछ मशीनों की मदद से रोगी को ठीक किया जाता है ।

फिजियोथैरेपी हर तरह के मरीजो के लिए उपयोगी साबित हुई है फिर चाहे वह मनोरोगी, हृदय रोगी, हड्डी रोग या नसों से संबंधित कोई रोग हो।

किसी भी तरह का नकारात्मक प्रभाव न होने के के चलते एक स्वस्थ व्यक्ति भी थैरेपी ले सकते हैं फिर चाहे वह किसी भी उम्र के हो फिजियोथैरेपी का लाभ ले सकते हैं।

बात अगर मनोरोगी की–की जाए या हम देखते हैं कि कुछ बच्चे माँ के पेट से ही कुछ शारीरिक विकृति या दिव्याँगता के साथ जन्म लेते हैं या किसी दुर्घटना के परिणाम स्वरुप दिव्यांग हो जाते हैं ऐसे रोगियों के लिए फिजियोथैरेपी वरदान से कम नहीं है।

ऐसे कई मरीजों का थैरेपी की सहायता से पूर्णता उपचार भी संभव हुआ है। फिजियोथैरेपी रोगियों की गतिशीलता शक्ति एवं कार्य को बढ़ाने में मदद करती है।

फिजियोथैरेपी की सहायता से खिलाड़ी अपने प्रदर्शन को और बेहतर ढंग से दर्शा सकता है। यही नहीं थैरेपी की मदद से ऐसी कई बीमारियाँ या समस्याये हैं जिसमें सर्जरी से बचा जा सकता है उदाहरण के लिए कमर गर्दन आदि की नसें दब जाने पर डॉक्टर सर्जरी की सलाह देते हैं जबकि थैरेपी से बिना सर्जरी के इन्हें ठीक किया जा सकता है।

फिजियोथैरेपी की सुविधा अच्छे अस्पतालों में निजी फिजियो सेंटर पर एवं कुछ समाजसेवी संस्थाओं पर उपलब्ध रहती है। उन्हीं में से एक संस्था हमारे सीहोर में वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा समाज सेवा के लिए सेवारत है जो की बहुत ही सराहनीय है एवं में डॉक्टर महेश शर्मा शिवेश फिजियोथैरेपी की ओर से में वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

भारतीय सांकेतिक भाषा

तरूण श्रीवास्तव, स्पेशल एजुकेटर, वसुंधरा विशेष विद्यालय

भारतीय सांकेतिक भाषा (Indian Sign Language) मूक–बधिर समुदाय के लिए संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। यह भाषा हाथों, उंगलियों, चेहरे के हाव–भाव और शरीर की गतिविधियों के माध्यम से विचार और भावनाओं को व्यक्त करती है। भारत में मूक–बधिर लोगों की संख्या लाखों में है, और उनके लिए यह भाषा न केवल संवाद का जरिया है, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का प्रतीक भी है।

भारत जैसे विविधता भरे देश में, सांकेतिक भाषा लाखों श्रवण बाधित व्यक्तियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का काम करती है। इसकी अनूठी विशेषता यह है कि यह केवल हाथों और चेहरे के भावों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मा की भाषा है, जो व्यक्ति के भीतर छिपे हर विचार और भावना को व्यक्त करने की शक्ति रखती है।

भारतीय सांकेतिक भाषा के तीन प्रमुख पहलू हैं....

1. हाथों के इशारेः शब्द और वाक्य बनाने के लिए हाथों की स्थिति, गति, और दिशा का उपयोग किया जाता है।
2. चेहरे के भावः भावनाओं और व्याकरणिक संकेतों को स्पष्ट करने के लिए चेहरे के हाव–भाव महत्वपूर्ण हैं।
3. शारीरिक हरकतेंः संवाद को प्रभावी बनाने के लिए शरीर की मुद्राओं और हाव–भाव का सहारा लिया जाता है।

भारतीय सांकेतिक भाषा के लाभ....

1. श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए सशक्तिकरण भारतीय सांकेतिक भाषा का सबसे बड़ा लाभ श्रवण और वाक बाधित व्यक्तियों को मिलता है। यह उन्हें स्वतंत्र रूप से अपनी भावनाएं, विचार और जरूरतें व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे समाज में आत्मनिर्भर बन पाते हैं।
2. शिक्षा में सुधार सांकेतिक भाषा का उपयोग शिक्षा में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। श्रवण बाधित बच्चों को पढ़ाने के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा एक प्रभावी उपकरण है। यह भाषा उन्हें शिक्षा प्राप्त करने और अकादमिक क्षेत्रों में प्रगति करने में मदद करती है। साथ ही, यह समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहित करती है।
3. रोज़गार के अवसर भारतीय सांकेतिक भाषा के माध्यम से श्रवण बाधित व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। उनके लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं, जो उन्हें कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की ओर ले जाती हैं।

प्रभु एजेन्सी

Feel the Purity

RO Sales & Service Also

फ्री चेकअप कैम्प

पीने का पानी फ्री में चेक कराएें

सभी प्रकार के वॉटर प्यूरीफायर की रिपेयरिंग

चिमनी एवं वाटर कूलर की विशाल रेंज

क्वालिटी एवं फास्ट सर्विस के लिये सम्पर्क करें -

मो.: 9893960720, 9522560720

सम्पर्क करें : कृष्णा डेयरी के पास, खजांची लाईन, सीहोर

श्री गणेशाय नमः | श्री गुरूभ्यो नमः | श्री वेदपुरूषाय नमः

श्री लक्ष्मीनारायण संस्कृत वेदविद्या गुरुकुलम्, भोपाल

निःशुल्क शिक्षा एवं आवास

विषय - वेद, कर्मकाण्ड, ज्योतिष एवं संस्कृत व्याकरण

पता - AX-193, राजहर्ष कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)

मो.: 9630966969, 9301387210, 7566951616

संचालक
वेदाचार्य अवनीश त्रिवेदी

रोनिक कोरियर सर्विस

पिछले 8 वर्षों से आपकी सेवा में तत्पर।

अब देश या विदेश में कहीं भी कोरियर भेजें रोनिक कोरियर सर्विस के साथ।

हमारी सेवाएं
इंटरनेशनल कोरियर सर्विस
कार्गो सर्विस
होम पिकअप सर्विस
B2C, B2B, कोरियर सर्विस

हमारा पता :- **सीहोर ऑफिस** : हनुमान मंदिर के सामने इंग्लिशपुरा सीहोर
भोपाल ऑफिस : शॉप नंबर 2, जैन नगर CMS स्कूल के पीछे, गुफा मंदिर रोड, लालघाटी भोपाल

संपर्क - 7000553291, 8839321037

माँ चाइल्ड केयर क्लिनिक

डॉ. गौरव ताम्रकार

नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ

मो. 9977319966

पता : सुदर्शन बजाज शोरूम के सामने,
अरोरा पेट्रोल पंप के पास, बस स्टेंड, सीहोर (म.प्र.)

समाजसेवी संस्था वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन सीहोर द्वारा वर्ष 2020 से निरंतर सामाजिक कार्यों की झलकियां

कोरोना महामारी के दौरान वसुंधरा द्वारा जन जागरूकता एवं अनेक सेवभावी कार्य

वसुंधरा द्वारा नगर पालिका परिषद् सीहोर क्षेत्र के नागरिकों को स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत स्वच्छता एप डाउनलोड करवाये गये एवं स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रम किए गये।

वसुंधरा द्वारा पौधे वितरण एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

वसुंधरा द्वारा टॉउन हॉल सीहारे में पंडित प्रदीप मिश्रा जी के सानिध्य में होली मिलन समारोह

वसुंधरा संस्था द्वारा क्रिसेंट रिसॉर्ट, शासकीय पी जी कॉलेज, विशेष विद्यालय व उत्कृष्ट विद्यालय, सीहोर में सांस्कृतिक कार्यक्रम

वसुंधरा द्वारा प्रति वर्ष ब्लड डोनेशन कार्यक्रम

वसुंधरा द्वारा प्रति वर्ष स्वामी विवेकानंद भारत ज्ञान प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह

वसुंधरा द्वारा पंडित प्रदीप मिश्रा जी और समाजसेवी आदरणीय अखिलेश जी राय को स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर बनने पर सम्मान

वसुंधरा द्वारा केनरा बैंक के सहयोग से शा. मा. शाला महुआखेड़ी के विद्यार्थीयों व जरूरतमंद बच्चों को जूते और मोजे वितरण

वसुंधरा द्वारा दीनदयाल अंत्योदय योजना शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत सीहोर जिले के स्व सहायता समूहों का (नेतृत्व क्षमता संवर्धन) प्रशिक्षण कार्यक्रम

महिला सशक्तिकरण

वसुंधरा द्वारा टॉउन हाल सीहोर में बालिकाओं का निःशुल्क कराते प्रशिक्षण कार्यक्रम

महिला सशक्तिकरण

वसुंधरा संरक्षक आदरणीय अखिलेश राय जी द्वारा निःशुल्क कराते प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बालिकाओं को प्रमाण पत्र वितरण

महिला सशक्तिकरण

वसुंधरा द्वारा दिव्यांगजन सशक्तिकरण व नशा मुक्ति हेतु नुक्कड़ नाटक, जनजाग्रति कार्यक्रम व विशाल रैली

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) अंतर्गत वसुंधरा द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा गाय आधारित बहु- कृषि और कृषि प्रबंधन (मल्टीलेयर फार्मिंग) पर सीहोर व आष्टा ब्लॉक के किसानों का श्री आकाश चौरसिया द्वारा सागर में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा ब्लॉक - पिपारिया, जिला - नर्मदापुरम् (म.प्र.) की महिलाओं का (Bamboo and Cane Craft) पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा शासकीय महाविद्यालय राहतगढ़, जिला - सागर (म.प्र.) में ब्लॉक - राहतगढ़ की महिलाओं का Cow dung and clay पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा ब्लॉक- कालापीपल, जिला - शाजापुर (म.प्र.) की महिलाओं का (Bamboo and Cane Craft) पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा ब्लाक- बीना, जिला- सागर की महिलाओं का बीना में Production and Packaging of Disposable Glass and Cups पर 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा Production and Packaging of Disposable Glass and Cups पर 12 दिवसीय प्रशिक्षण लेने वाली ब्लाक- बीना, जिला- सागर की महिलाओं का जनपद पंचायत बीना में प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम

नाबार्ड अंतर्गत वसुंधरा द्वारा संचालित व्योमी फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनी लिमिटेड FPO के कार्यक्रम

FPO (कृषक उत्पादक संगठन) के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर व सीईओ का FPO प्रबंधन पर कृषि विज्ञान केन्द्र, गोविन्द नगर, जिला- नर्मदापुरम् में आवासीय प्रशिक्षण व एक्सपोजर विजिट

FPO कार्यालय उद्घाटन ग्राम कोटरी, ब्लॉक कालापीपल, जिला शाजापुर

FPO द्वारा शेयर होल्डर जन-जागरूकता व मोब्लाइजेशन कार्यक्रम ब्लॉक कालापीपल, जिला शाजापुर म.प्र.

नाबार्ड द्वारा FPO समीक्षा सह क्षमता निर्माण कार्यशाला पचमढ़ी व ग्वालियर में वसुंधरा व व्योमी FPO की सहभागिता

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा संचालित वसुंधरा विशेष विद्यालय सीहोर की वर्ष 2022 से निरंतर की गई गतिविधियाँ

वसुंधरा विशेष विद्यालय का माननीय प्रिंस जी राठौर (नगर पालिका अध्यक्ष) और माननीय कलेक्टर महोदय द्वारा उद्घाटन कार्यक्रम

वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग विद्यार्थीयों के साथ अपना जन्मदिवस मनाते हुए महानुभव

वसुंधरा द्वारा वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग विद्यार्थीयों की दीपक डेकोरेट करने हेतु (प्रशिक्षण) वोकेशनल ट्रेनिंग

वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्यांग विद्यार्थीयों द्वारा मतदान जन जागरूकता कार्यक्रम

वसुंधरा विशेष विद्यालय में प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्रता दिवस पर ध्वजा रोहण कार्यक्रम

वसुंधरा विशेष विद्यालय, सीहोर द्वारा विश्व दिव्यांगता दिवस कार्यक्रम

वसुंधरा विशेष विद्यालय के दिव्याँग विद्यार्थियों द्वारा दीपावली के शुभ अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में श्रीमान कलेक्टर महोदय व जिले के अधिकारियों को सुसज्जित दीपक वितरित किये

वसुंधरा विशेष विद्यालय, ब्रह्मपुरी कॉलोनी, सीहोर, मध्य प्रदेश

वसुंधरा विशेष विद्यालय सीहोर द्वारा दिव्यांगजनों हेतु निःशुल्क फिजियो थैरेपी एवं ऑक्यूपेशनल थैरेपी सेंटर

रिश्ते ऐसे बनाओ कि जिसमें शब्द कम और समझ ज्यादा हो, झगड़े कम और नजरिया ज्यादा हो।

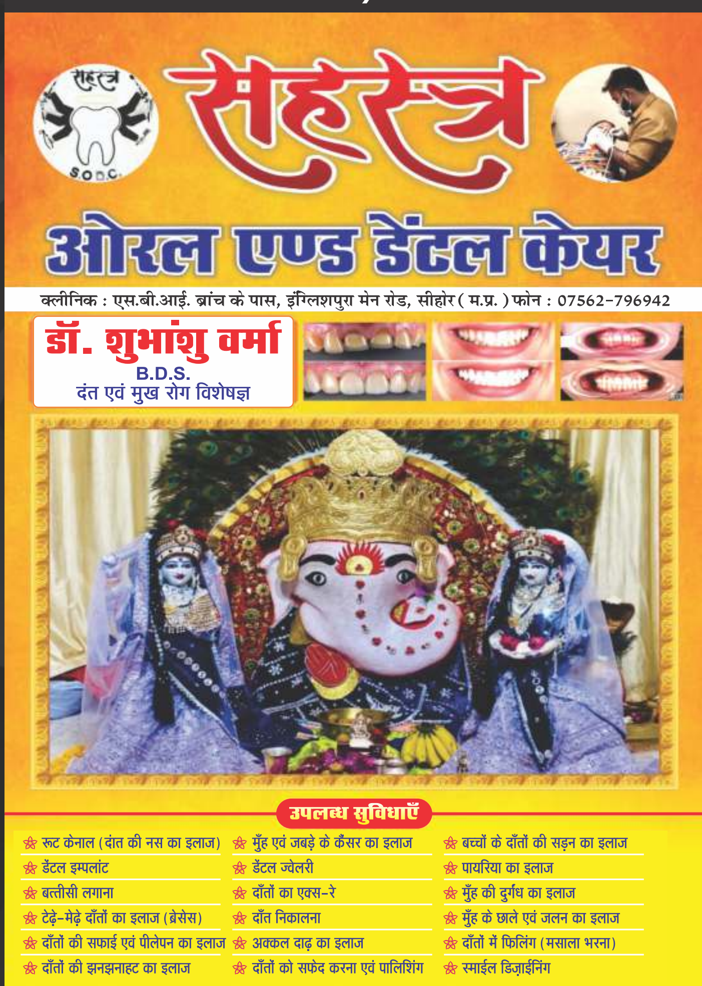

श्रेष्ठता जन्म से नही आती, बल्कि कर्म और गुणों से आती है ।
जैसे दूध,दही, मठा और घी, एक ही कुल के होने के बाद भी उनके मूल्य अलग अलग होते है ।।

Smart Pack®
Complete Packaging Solution

Download the App
SMART PACK INDIA

GET IT ON Google Play

Available on the App Store

Smart Packaging Systems

- Packaging Machine
- Packaging Material
- Shrink Label
- Industrial Transparent PVC Strip Curtain

Office : M-36, Trade Center, 18, South Tukoganj, Indore-1 (M.P.)
Showroom : EB-38, Scheme No. 94, Opp. Anurag Nagar Petrol Pump, Ringroad, Indore (M.P.) **Customer Care :** 08048890548
Phone : 0731-2526606, 4076606 Mobile : 98270-35266, 98270-35265
Email : smartpack786@yahoo.com **Visit us at :** www.smartpackindia.biz

Please Refer us for any packaging solutions

SINCE 1972
Since 1972

चाय घर

1972 से खुली चाय के थोक विक्रेता

श्री रमेश जैन
चाय घर परिवार
सीहोर

चाय घर लेन,
बड़ा बाजार,
सीहोर

सालों से
सीहोर
की शान

Trade Enquiry
9826043882

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

भोपाल, इंदौर, ग्वालियर
जबलपुर, रीवा, उज्जैन, खजुराहो
और सिंगरौली से
अंतरराज्यीय उड़ान

मध्यप्रदेश में पर्यटन अब नयी ऊंचाइयों पर

पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा

संचालन प्रारंभ

बुकिंग काउंटर
भोपाल, इंदौर और जबलपुर एयरपोर्ट

ऑनलाइन बुकिंग
www.flyola.in

“प्रदेश में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विकास के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा प्रदेश के पर्यटन को नयी पहचान देगी। हमारे प्रदेश के नागरिकों एवं देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को यह सेवा और अधिक सुविधा प्रदान करते हुए पर्यटन क्षेत्र को नये आयाम देने में सफल साबित होगी।”

\- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024

वसुंधरा वेलफेयर फाउंडेशन, सीहोर (म.प्र.)

रजि. पता :- श्री राम मंदिर के पीछे, यादव मोहल्ला, कस्बा, सीहोर (म.प्र.) - 466001
वसुंधरा विशेष विद्यालय :- ब्रह्मपुरी कॉलोनी, बिलकिसगंज रोड, सीहोर (म.प्र.) - 466001
व्योमी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड कार्यालय : वार्ड नं. 13, पुरानी गल्ला मंडी, कालापीपल, जिला - शाजापुर (म.प्र.)- 465337
नर्मदापुरम् कार्यालय :- प्रताप नगर, रसुलिया, नर्मदापुरम् (म.प्र.) - 461001

+91 94250 45303 +91 98266 48616
: https://vasundharawelfare.org : info.vasundhara@yahoo.com
Follow us on : vasundharawelfarefoundation